भारतीय मानक ब्यूरो

IS / ISO 9001

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

QMS

An ISO 9001:2015
Certified Establishment

आत्मनिर्भर भारत

हर घर तिरंगा

कसौटी

चौबीसवाँ अंक - 2025

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

वरिष्ठ गुणता आश्वासन स्थापना (आयुध), कानपुर

वरिष्ठ गुणता आश्वासन स्थापना (आयुध) कानपुर

इतिहास

1940 : ओएफसी का निर्माण ''ट्रांजिशनल प्रोजेक्ट नंबर II'' योजना के तहत बंदूके, मोर्टार और खाली गोला–बारुद के भंडार का उत्पादन करने और टीपी आई (जीएसएफ) की मैटीरयल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शुरू किया गया।

1949 : मुख्य शस्त्र अधीक्षक, जबलपुर के सीधे नियंत्रण में एक स्वतंत्र निरीक्षणालय बनाया गया ।

1962 : आयुध निर्माणी कानपुर द्वारा निर्मित बंदूकें और 2 इंच मोर्टार के प्रूफ के लिए कानपुर प्रूफ रेंज स्थापित किया गया।

1972 : निरीक्षणालय 15 मई 1972 को "आई. ऑफ ए." और "आई. ऑफ एस.ए.", कानपुर में विभाजित हो गया और कर्नल रैंक के वरिष्ठ निरीक्षक की कमान के तहत निरीक्षणालय बनाया गया और वर्ष 1987 में वरिष्ठ गुणवत्ता आश्वासन स्थापना (आयुध), कानपुर के रुप में नया नाम दिया गया।

1984 : भारत सरकार के आदेशानुसार, इस स्थापना को ओ.एफ.सी द्वारा निर्मित आयुध भण्डारों के स्टेज और इंटर–स्टेज के गुणता आश्वासन की जिम्मेदारी सौपी गयी ।

2022 : फील्ड गन फैक्ट्री, कानपुर में निर्मित आयुध भण्डारों के गुणता आश्वासन का कार्य भी इसी स्थापना को दे दिया गया ।

वर्तमान भूमिका

(क) ओ.एफ.सी, फील्ड गन फैक्ट्री, कानपुर एवं ट्रेड द्वारा निर्मित आयुध भण्डारों का गुणता आश्वासन।

(ख) ओ.एफ.सी एवं फील्ड गन फैक्ट्री कानपुर द्वारा निर्मित 105 मि.मी. एल.एफ. जी. स्पेयर बैरल, ऑर्डनेंस इत्यादि का कानपुर प्रूफ रेंज में प्रूफ फायरिंग ।

भारतीय मानक ब्यूरो

मानकः पथप्रदर्शकः

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

IS / ISO 9001

QMS

An ISO 9001:2015
Certified Establishment

सत्यमेव जयते

रक्षा गुणता आश्वासन संगठन

गुणता से विश्वास

आत्मनिर्भर भारत

हर घर तिरंगा

कसौटी

चौबीसवाँ अंक-2025

राजभाषा कार्यान्वयन समिति
वरिष्ठ गुणता आश्वासन स्थापना (आयुध) कानपुर

सरस्वती वंदना

वीणावादिनी वर दे, वीणावादिनी वर दे !
प्रिय स्वतंत्र–रव अमृत–मंत्र नव
भारत में भर दें !

काट अंध–उर के बंधन–स्तर
बहा जननि, ज्योतिर्मय निर्झर:
कलुष–भेद–तम हर प्रकाश भर
जगमग जग कर दें !

नव गति, नव लय, ताल–छंद नव,
नवल कंठ, नव जलद–मन्द्ररव,
नव नभ के नव विहग–वृंद को,
नव पर, नव स्वर दें !

सूर्यकान्त त्रिपाठी ''निराला''

मेजर जनरल बिमलेन्दु महापात्र

Maj Gen Bimalendu Mohapatra

ADG QA (Armt)
Tele : (O) 011-24196707
Mob.: 9425411995
E-mail : armt-dgqa@nic.in

भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय
रक्षा उत्पादन विभाग (गु.आ.म.नि.)
गुणता आश्वासन नियंत्रणालय (आयुध),
तल–3 बी ब्लॉक रक्षा कार्यालय परिसर,
अफ्रीका एवन्यू, सरोजिनी नगर डाकघर
नई दिल्ली – 110023

Government of India, Ministry of Defence
Department of Defence Production (DGQA)
Directorate of Quality Assurance (Armament)
3rd Floor, B Block Defence Office Complex
Africa Avenue, Sarojini Nagar PO
New Delhi - 110023

संदेश

वरिष्ठ गुणता आश्वासन स्थापना (आयुध), कानपुर की गृह हिन्दी पत्रिका ''कसौटी'' के 24 वें अंक के प्रकाशन पर मैं स्थापना के सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ। राजभाषा हिन्दी के प्रचार–प्रसार एवं सृजन में आप सभी का सतत सहयोग प्रशंसनीय है।

वरिष्ठ गुणता आश्वासन स्थापना (आयुध), रक्षा उत्पादों की गुणता सुनिश्चित करने के महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन कर रही है। हम सभी के लिए गर्व का विषय है कि हिन्दी को प्रशासनिक और तकनीकी कार्यो में अपनाने की दिशा में विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उत्साहपूर्वक योगदान दे रहे है। यह पत्रिका इसी सांस्कृतिक समर्पण और रचनात्मकता का प्रतिबिंब है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि वरिष्ठ गुणता आश्वासन स्थापना (आयुध) कानपुर की राजभाषा पत्रिका ''कसौटी'' पत्रिका न केवल भाषा–संवर्धन में सहायक होगी, बल्कि यह अधिकारी एवं कर्मचारियों में नवीन विचारों का संचार भी करेगी। राजभाषा में कार्य करना केवल संवैधानिक दायित्व नहीं, बल्कि यह हमारी संस्कृति से जुड़ाव को भी दर्शाता है।

समस्त सहयोगियों से अपेक्षा है कि वे भविष्य में भी इसी लगन और प्रतिबद्धता के साथ हिन्दी के प्रचार–प्रसार एवं पत्रिका की गुणवता को और ऊंचाईयों तक पहुँचाने में योगदान देते रहेगें।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ।

बिमलेन्दु महापात्र
मेजर जनरल
अपर महानिदेशक (आयुध)

ब्रिगेडियर समीर सिंह
नियंत्रक

Brig Sameer Singh
Controller

Tele : (O) 0761-2330328
54605/एस एस/गुआनिश

भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय
Government of India, Ministry of Defence
गुणता आश्वासन नियंत्रणालय (शस्त्र)
Controllerate of Quality Assurance (Weapons)
जबलपुर (म.प्र.) – 482011
Jabalpur (MP) - 482011

संदेश

1. मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि राजभाषा हिन्दी के प्रचार–प्रसार तथा समृद्ध साहित्यिक धरोहर को सँजोते हुए वरिष्ठ गुणता आश्वासन स्थापना (आयुध), कानपुर की राजभाषा पत्रिका ''कसौटी'' के 24 वें. अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय भावना और सांस्कृतिक एकता का सशक्त प्रतीक है।

2. एक पत्रिका के माध्यम से न केवल हमारे अधिकारियों एवं कर्मचारियों की अभिव्यक्ति को मंच मिलेगा, बल्कि यह संगठन में कार्य संस्कृति के साथ–साथ राष्ट्रभक्ति की भावना को भी और अधिक प्रखर बनायगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह प्रयास हिन्दी की गरिमा को और ऊँचाई प्रदान करेगा तथा संगठन की प्रगति में भी मील का पत्थर साबित होगा।

3. मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका सहकर्मियों के लेखन, अनुवाद, तकनीकी शब्दावली तथा श्रेष्ठ प्रथाओं के आदान–प्रदान को नए आयाम देगी और सभी अनुभागों में राजभाषा के क्रियात्मक उपयोग को प्रोत्साहित करेगी।

4. मैं पत्रिका की संदापकीय टीम तथा सभी योगदानकर्ताओं को हृदय से बहुत धन्यवाद देता हूँ और आशा करता हूँ कि यह पत्रिका निरंतर नई ऊंचाइयों को प्राप्त करती रहेगी।

जय हिन्द ।

समीर सिंह

ब्रिगेडियर समीर सिंह
नियंत्रक

कर्नल गिरीश चौधरी
वरिष्ठ गुणता आश्वासन अधिकारी

Col Girish Choudhry
Senior Quality Assurance Officer

Tele : (O) 0512-2240595
Mob.: 8554044800

भारत सरकार
रक्षा मंत्रालय (गु.आ.म.नि.)
वरिष्ठ गुणता आश्वासन स्थापना (आयुध)
अर्मापुर डाकघर, कानपुर – 208009

Government of India,
Ministry of Defence (DGQA)
Senior Quality Assurance Estt (Armts)
Armapur Post, Kanpur - 208009

वरिष्ठ गुणता आश्वासन अधिकारी का संदेश

वरिष्ठ गुणता आश्वासन स्थापना (आयुध) कानपुर, की राजभाषा हिन्दी की गृह पत्रिका ''कसौटी'' के नवीनतम 24 वें अंक के प्रकाशन पर स्थापना के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। यह पत्रिका न केवल हमारी स्थापना में कार्यरत लोगों की रचनात्मकता, भाषा–सम्भार और अभिव्यक्ति का सशक्त मंच है, बल्कि राजभाषा हिंदी के संवर्धन में हमारे सामूहिक संकल्प का सजीव प्रमाण भी है।

वरिष्ठ गुणता आश्वासन स्थापना परिवार गुणता, विश्वसनीयता और आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन के मूल्यों से प्रेरित होकर राष्ट्र–निर्माण में अपना योगदान देता रहा है। इसी भाव में, राजभाषा का व्यापक उपयोग हमारी कार्य–संस्कृति को अधिक सुलभ, प्रभावी और समावेशी बनाता है।

आइए गुणता और भाषा–दोनों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को नए उत्साह के साथ आगे बढ़ाएँ ताकि हमारा हर प्रयास आत्मनिर्भरता और उत्कृष्टता की मिसाल बन सके।

मैं संपादकीय मंडल, लेखकों और पाठकों सहित सभी सहभागी साथियों का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ एवं आप सभी से अपेक्षा करता हूँ कि आप राजभाषा हिन्दी को और समृद्ध बनाने एवं राजभाषा के लक्ष्यों की प्राप्ति में सक्रिय भूमिका निभाएँगे।

शुभकामनाओं सहित,

गिरीश चौधरी

कर्नल गिरीश चौधरी
वरिष्ठ गुणता आश्वासन अधिकारी

दीपेन्द्र मोहन वर्मा
सहा0 श्रम कल्याण आयुक्त (केन्द्रीय)

Dependra Mohan Verma
Asstt Labour Welfare Commissioner (Central)

Tele : (O) 0512-2213032
Mob.: 7897177456

भारत सरकार
रक्षा मंत्रालय (गु.आ.म.नि.)
वरिष्ठ गुणता आश्वासन स्थापना (आयुध)
अर्मापुर डाकघर, कानपुर – 208009

Government of India,
Ministry of Defence (DGQA)
Senior Quality Assurance Estt (Armts)
Armapur Post, Kanpur - 208009

सम्पादक की ओर से.....

''कसौटी'' का यह 24 वां अंक आपके हाथों में पहुँचते हुए मुझे अत्यंत गर्व की अनुभव हो रहा है। यह पत्रिका केवल सूचनाओं का संकलन नहीं, बल्कि हमारी संस्थागत संस्कृति, विचारशीलता और रचनात्मक का जीवंत दस्तावेज है।

हर अंक के साथ प्रयास रहता है कि हम न केवल विभागीय गतिविधियों को प्रस्तुत करें, बल्कि उन मूल्यों को भी उजागर करें जो हमें एकजुट रखते है – कर्तव्यनिष्ठा, सहयोग और संवेदनशीलता। इस संस्करण में आपको राजभाषा हिंदी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों की विविध छवियां देखने को मिलेगी।

आप सभी से अनुरोध है कि इस पत्रिका को केवल राजभाषा हिन्दी के एक दस्तावेज के रूप में न देखें, बल्कि हिन्दी को कार्यालय के संवाद का माध्यम बनाएं – जहाँ विचारों का आदान–प्रदान हो और एक साझा पहचान का निर्माण हो। आप सभी से आग्रह है कि इस प्रयास को न केवल पढ़ें ही, बल्कि अनुभव भी साझा करें। आपकी प्रतिक्रियाएँ सुझाव और सहयोग ही ''कसौटी'' को उसकी कसौटी पर और खरा बनाएगें।

दीपेन्द्र मोहन वर्मा
सहायक श्रम कल्याण आयुक्त
(केन्द्रीय) एवं हिन्दी अधिकारी

कसौटी

सम्पादक मण्डल

प्रमुख

कर्नल गिरिश चौधरी
वरिष्ठ गुणता आश्वासन अधिकारी

संरक्षक

ले. कर्नल सी.एम. सिंह
गुणता आश्वासन अधिकारी

ले. कर्नल राकेश कुमार आर्या
गुणता आश्वासन अधिकारी

परामर्श दाता

श्री परविन्द्र सिंह
वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी द्वितीय

श्री जे.एस. ठाकुर
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

संपादक

श्री दीपेन्द्र मोहन वर्मा
सहायक श्रम कल्याण आयुक्त (केन्द्रीय) एवं हिन्दी अधिकारी

संपादन सहयोग

श्री आशीष त्रिवेदी
कार्यालय अधीक्षक

अतुल कुमार तिवारी
कार्यालय अधीक्षक

राकेश कुमार यादव
प्रशासनिक अधिकारी

संयोजक

श्री मनीष कुमार
कार्यालय अधीक्षक

नोट : इस पत्रिका में प्रकाशित रचनाऐं लेखकों के निजी विचार हैं एवं उन पर सम्पादकीय सहमति आवश्यक नहीं है।

सम्पर्कः संपादक, कसौटी, कार्यालय वारिष्ठ गुणता आश्वासन एवं स्थापना आयुध, अर्मापुर, कानपुर - 208009 फोन - 0512-2240595

वरिष्ठ गुणता आश्वासन स्थापना (आयुध),
अरमापुर डाकघर, कानपुर – 208009

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

1.	कर्नल गिरीश चौधरी, वरिष्ठ गुणता आश्वासन अधिकारी	अध्यक्ष
2.	ले कर्नल सी.एम. सिंह, गुणता आश्वासन अधिकारी	सदस्य
3.	ले कर्नल राकेश कुमार आर्या, गुणता आश्वासन अधिकारी	सदस्य
4.	श्री परविन्द्र सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी	सदस्य
5.	श्री जे.एस. ठाकुर, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी	हिन्दी मुख्य सचिव
6.	श्री दीपेन्द्र मोहन वर्मा, सहायक श्रम कल्याण आयुक्त(के.)	हिन्दी अधिकारी
7.	श्री राकेश कुमार यादव, प्रशासनिक अधिकारी	उप हिन्दी अधिकारी/सचिव
8.	श्री आलोक कुमार सोनी, भण्डार अधिकारी	सदस्य
9.	श्री पवन कुमार मिश्रा, सहायक अभियन्ता (गुणता आश्वासन)	हिन्दी उपसचिव
10.	श्री विकास मण्डल, सहायक अभियन्ता (गुणता आश्वासन)	सदस्य
11.	श्री संजय कुमार, सहायक अभियन्ता (गु. आ.) (केपीआर)	सदस्य
12.	श्री अभिजीत पाठक, सहायक अभियन्ता (गुणता आश्वासन)	सदस्य
13.	श्री राकेश रोशन, सहायक अभियन्ता (गुणता आश्वासन)	सदस्य
14.	श्री जेठवा महेन्द्र कुमार, सहायक अभियन्ता (गुणता आश्वासन)	सदस्य
15.	श्री शैलेन्द्र सिंह, सहायक अभियन्ता (गुणता आश्वासन)	सदस्य
16.	श्री अभिजीत यादव, सहायक अभियन्ता (गुणता आश्वासन)	सदस्य
17.	श्री एम.पी. सिंह, कनिष्ठ अभियन्ता (गुणता आश्वासन)	सदस्य
18.	श्री अतुल कुमार तिवारी, कार्यालय अधीक्षक	सदस्य
19.	श्री चिराग भाटिया, कार्यालय अधीक्षक	सदस्य
20.	श्री आशीष त्रिवेदी, कार्यालय अधीक्षक	सदस्य
21.	श्री इन्द्रजीत, मास्टर क्राफ्ट्समैन	सदस्य

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	शीर्षक	नाम एवं पद	पृष्ठ संख्या
1.	स्थापना की मुख्य गतिविधियाँ-2024-25 स्थापना की प्रमुख गतिविधियों का विवरण		1 - 3
2.	चित्र मंजूषा- स्थापना में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के चित्र		4 - 17
3.	नज़रिया	श्री जे.एस. ठाकुर, वरि. प्रशा. अधि.।	18
4.	श्रम सुधारः भारतीय श्रम परिदृश्य में एक युगान्तकारी परिवर्तन	श्री दीपेन्द्र मोहन वर्मा, सहायक श्रम कल्याण आयुक्त (केन्द्रीय)	19 - 22
5.	ऑपरेशन सिन्दूर	श्री राकेश कुमार यादव, प्रशासनिक अधिकारी	23 - 14
6.	तिरंगे का कर्ज	श्रीमती कमला यादव, पत्नी श्री राकेश कुमार यादव	25
7.	15 अगस्त	कु. सोनाली, पुत्री श्री राकेश कुमार यादव	26
8.	जब भारत आज़ाद हुआ था	श्री अविनाश कुमार, पुत्र श्री राकेश कुमार यादव	27
9.	उम्मीदों का आसमान	श्री अनुप कुमार बरूआ	28
10.	आज़ादी	श्री अनुप कुमार बरूआ	29
11.	स्वच्छता	श्री अनुप कुमार बरूआ	29
12.	जीवन में अभिनय का महत्व	श्री रविकांत पटेल, सहायक अभियंता (गु.आ.)	30 - 31
13.	राष्ट्रभक्ति	श्रीमती दीपिका पटेल, पत्नी श्री रविकांत पटेल	32
14.	कलः मैंने देखा है	श्री विकाश कुमार, सहायक अभियंता (गु.आ.)	33 - 35
15.	साइबर क्राइम - डिजिटल युग का बढ़ाता खतरा	श्री महेश सिंह आनंद, जे.टी.ओ. (एस)	36
16.	पानी तेरे कितने नाम	श्री अतुल कुमार तिवारी, कार्यालय अधीक्षक	37
17.	परिवार	कु. मनिष्का भाटिया, पुत्री श्री चिराग भाटिया	37
18.	एक गिलास पानी (कहानी)	श्री राहुल पाल, प्रवर श्रेणी लिपिक	38 - 39
19.	रिश्तों का महत्व (कहानी)	श्री राहुल पाल, प्रवर श्रेणी लिपिक	40 - 41
20.	हास्य व्यंग	श्री राहुल पाल, प्रवर श्रेणी लिपिक	42
21.	चुटकुले	श्री राहुल पाल, प्रवर श्रेणी लिपिक	43
22.	भगवान पर भरोसा (कहानी)	श्री ऋषभ पाल, पुत्र श्री राहुल पाल, प्रवर श्रेणी लिपिक	44
23.	चुटकुले	श्रीमती सोनम यादव पत्नी श्री ए.के. यादव	45
24.	ज्ञान बांटना जरूरी है।	श्रीमती सोनम यादव पत्नी श्री ए.के. यादव	45
25.	सुख की चाह	श्रीमती सोनम यादव पत्नी श्री ए.के. यादव	46
26.	किए पर पछतावा	कु. अपर्णा यादव पुत्री श्री ए.के. यादव	47
27.	चुटकुले	कु. अपर्णा यादव पुत्री श्री ए.के. यादव	47
28.	आज का ज्ञान	कु. अपर्णा यादव पुत्री श्री ए.के. यादव	47
29.	शेर और चूहे की दोस्ती	श्री अभिनव यादव पुत्र कु. श्री ए.के. यादव	48
30.	जीवन की राहें (कविता)	श्री अरूण कुमार, प्रवर श्रेणी लिपिक	48
31.	माँ एक अनकहा अहसास	श्री अरूण कुमार, प्रवर श्रेणी लिपिक	49

क्र.सं.	शीर्षक	नाम एवं पद	पृष्ठ संख्या
32.	नारी हो	श्रीमती इन्द्रा, प्रवर श्रेणी लिपिक	50
33.	''राम-राम'' क्यों कहा जाता है	श्रीमती इन्द्रा, प्रवर श्रेणी लिपिक	50
34.	पेंशन प्रक्रिया हेतु आवश्यक सुझाव	श्री शिवेन्द्र वर्मा, प्रवर श्रेणी लिपिक	51-52
35.	पति एवं पत्नी के लिए	श्री पदम कुमार, एम.सी.एम.	53
36.	पर्यावरण हमारा जीवन	श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव, एम.सी.एम.	53
37.	अब तो मचा है हाहाकार	श्री संजय कुमार, एम.सी.एम.	54
38.	स्वस्थ जीवन की कला	श्री अवनीश कुमार सिंह, एम.सी.एम.	54
39.	मेहनत	श्री गौरव कुमार, पुत्र श्री राकेश कुमार, तक;एच.एस.-1	55
40.	अभिप्रेरण विचार	कु. दिव्या कुमारी, पुत्री श्री राकेश कुमार, तक;एच.एस.-1	55
41.	अभिप्रेरण विचार	कु. शव्या कुमारी, पुत्री श्री राकेश कुमार, तक;एच.एस.-1	56
42.	गुरू और शिष्य	कु. शव्या कुमारी, पुत्री श्री राकेश कुमार, तक;एच.एस.-1	56
43.	आज और बचपन	श्री प्रदीप कुमार, तक ;एच.एस.-II	57
44.	इंसान	श्री शशिकांत वर्मा, तक;एस.के.	57
45.	कुछ करना है	श्रीमती अर्चना वर्मा, पत्नी श्री शशिकांत वर्मा	58
46.	रक्षा बंधन	अनन्या वर्मा, पुत्री श्री शशिकांत वर्मा	58
47.	बेटियाँ	सिद्धि वर्मा, पुत्री श्री शशिकांत वर्मा	58
48.	अल्ट्रासोनिक टेस्टिंग (UT) लेवल-I एवं लेवल-II पर तकनीकी लेख	श्री कुनाल कुमार सैनी, तक एस.के.	59-61
49.	बचपन	श्री शान्तनु कुमार श्रीवास्तव, तक एस.के.	62
50.	पुस्तकें	अद्विका श्रीवास्तव, पुत्री श्री शान्तनु कुमार श्रीवास्तव	62
51.	उज्जवल भविष्य का अरूणोदय	श्री अवधेश कुमार, तक एस.के.	63
52.	देव संस्कृति के चार आधार	श्री अवधेश कुमार, तक एस.के.	64
53.	वीरों के बलिदानों से	श्री कुन्दन कुमार, तक एस.के./10554	65
54.	एकता	श्री ओम प्रकाश कुमार, तक एस.के./10558	65
55.	स्वास्थ्य की धन है	श्रीमती विनीता कुमारी, पत्नी श्री ओम प्रकाश कुमार	66
56.	प्रौद्योगिकी और गैजेट्स	श्रीमती शीला, तक एक.के.	67-68
57.	बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर	श्रीमती शीला, तक एक.के.	69
58.	पर्यावरण संरक्षण	श्रीमती शीला, तक एक.के.	70
59.	जिंदगी	कु. कीर्ति शर्मा	71
60.	श्रेष्ठ मासिक कर्मचारी		72
61.	हिन्दी पखवाडा कार्यक्रम-2024		73
62.	भर्ती एवं तैनाती		74
63.	स्थानान्तरण एवं सेवानिवृत्त अधिकारियों तथा कर्मचारियों की सूची		75
64.	भावपूर्ण श्रद्धांजलि		76

स्थापना की मुख्य गतिविधियाँ वर्ष 2024-25

क्र.सं.	दिनांक	विवरण
1.	23 व 26 अप्रैल 2024	वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान सीमित जनशक्ति के बावजूद उत्कृष्ट QA कवरेज प्रदान करने के लिए FGK और OFC के कार्यकारी निदेशक द्वारा इस संस्थान की सराहना की गई।
2.	05 जून व 24 जुलाई 2024	इस संस्थान एवं KPR के लिए फैक्ट्री एक्ट 1948 की धारा 6 के अंतर्गत फैक्ट्री लाइसेन्स का नवीनीकरण उत्तर प्रदेश श्रम विभाग द्वारा किया गया।
3.	जुलाई 2024	कानपुर प्रूफ रेंज पर Bomb 51mm Motar के पुराने, अप्रचलित प्राथमिक कारतूस की 11,667 संख्या की विघटन और विध्वंस प्रक्रिया पूरी की गई।
4.	07-09 अगस्त 2024	ब्रिगेडियर साकिब हुसैन, ब्रिगेडियर QA(W), HQ DGQA, DQA(A), नई दिल्ली (07-09 अगस्त 2024) द्वारा इस संस्थान का दौरा किया गया।
5.	10-11 सितम्बर 2024	कानपुर प्रूफ रेंज का अर्धवार्षिक सुरक्षा निगरानी ऑडिट CQA(ME) पुणे द्वारा 10-11 सितम्बर को आयोजित किया गया।
6.	14-29 सितम्बर 2024	हिंदी पखवाड़ा 14 से 29 सितम्बर 2024 तक आयोजित किया गया।
7.	19-20 सितम्बर 2024	इस संस्थान का पहला Surveillance Audit ISO 9001:2015 के अनुसार 19-20 सितम्बर 2024 को BIS द्वारा किया गया।
8.	27 सितम्बर 2024	(क) DGQA दिवस 27 सितम्बर 2024 को मनाया गया। (ख) वार्षिक हिंदी पत्रिका 'कसौटी' का 23वां संस्करण 27 सितम्बर 2024 को प्रकाशित किया गया।
9.	16 अक्टूबर - 15 नवम्बर 2024	1,763 किलोग्राम Propellant NQ/M-047 को 16 अक्टूबर से 15 नवम्बर 2024 तक BOO द्वारा कानपुर प्रूफ रेंज पर जलाया/नष्ट किया गया।
10.	28 अक्टूबर - 03 नवम्बर 2024	सतर्कता जागरूकता सप्ताह - 2024, 28 अक्टूबर से 03 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया गया।
11.	01-15 दिसम्बर 2024	स्वच्छता पखवाड़ा-2024 का आयोजन 1 दिसम्बर 2024 से 15 दिसम्बर 2024 तक किया गया। स्वच्छता अभियान के तहत निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गई- (क) स्वच्छता शपथ। (ख) एस.क्यू.ई.;एद्ध कानपुर कार्यालय परिसर में प्लास्टिक कचरे को एकत्रित करने और नालों की सफाई के लिए स्वच्छता अभियान (ग) पुराने फाइलों और रिकॉर्डस का निस्तारण। (घ) वृक्षारोपण।

स्थापना की मुख्य गतिविधियाँ वर्ष 2024-25

क्र.सं.	दिनांक	विवरण
12.	05 दिसम्बर 2024	वरिष्ठ गुणवत्ता आश्वासन स्थापना आयुध, कानपुर ने कानपुर प्रूफरेंज (KPR) पर 105/37 mm LFG E2 उपकरण के Lever Breech Mechanism (LBM) के प्रमाणन प्रक्रिया के लिए कॉपीराइट सफलतापूर्वक प्राप्त किया है, जो कॉपीराइट, ऑफिस नई दिल्ली से रजिस्ट्रेशन नम्बर L-157909/2024 के तहत 05 दिसम्बर 2024 को दर्ज हुआ।
13.	31 दिसम्बर 2024	105/37 मिमी IFG गन E-1 के पहले रिकोइल सिस्टम ;रजिस्ट्रेशन संख्या R-1336) का भारतीय सेना को जारी किया गया। इसी सफलता की सराहना DG, DGQA द्वारा 01 जनवरी 2025 को उनके DO पत्र संख्या 85018/DGQASect/2025 के माध्यम से की गई।
14.	13 जनवरी-08 फरवरी 2025	औद्योगिक कर्मचारियों के लिए कैडर प्रशिक्षण। 06 तकनीकी (HS-I) को MCM पदोन्नति के लिए और 03 तकनीकी (SK) को तकनीकी (HS-II) के लिए प्रशिक्षित किया गया।
15.	23-25 जनवरी 2025	यूनिट रेजिंग डे के अवसर पर बैडमिंटन टूर्नामेंट (सिंगल्स और डबल्स) दिनांक 23 से 25 जनवरी 2025 तक संस्थान स्तर पर आयोजित किया गया।
16.	24 जनवरी 2025	कुल 1683 पुराने/अप्रचलित फाइलों को विभिन्न विभागों में पहचान कर, व्यवस्थित रूप से नष्ट किया गया, ताकि प्रभावी रिकॉर्ड प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके।
17.	26 जनवरी 2025	गणतंत्र दिवस 2025 और यूनिट रेजिंग डे 26 जनवरी 2025 को जोश और उत्साह के साथ मनाए गए।
18.	31 जनवरी 2025	31 जनवरी 2025 को 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया, जिसमें 51 पेड़ लगाए गए।
19.	06-07 फरवरी 2025	6-7 फरवरी 2025 को 167 उपकरणों की कैलिब्रेशन की गई और उनकी कैलिब्रेशन अवधि को एक वर्ष से बढ़ाकर दो वर्ष कर दिया गया। इस परिवर्तन से संपति खर्चों में 50% की कमी आएगी, जनशक्ति/डॉक्यूमेंटेशन में महत्वपूर्ण बचत होगी, और भविष्य में संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा।

स्थापना की मुख्य गतिविधियाँ वर्ष 2024-25

क्र.सं.	दिनांक	विवरण
20.	05 मार्च 2025	इस संस्थान का वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए वार्षिक निरीक्षण 05 मार्च 2025 को ब्रिगेडियर समीर सिंह, नियंत्रक CQA(W), जबलपुर द्वारा किया गया।
21.	05 मार्च 2025	वित्तीय वर्ष 2023-24 के वार्षिक निरीक्षण के दौरान 05 मार्च 2025 को बिग्रेडियर समीर सिंह, नियंत्रक CQA(W), जबलपुर द्वारा नेटवर्क अटैच्ड स्टोरेज (NAS) सिस्टम का उद्घाटन किया गया। इससे डेटा की पहुंच में वृद्धि हुई और सुरक्षा में सुधार हुआ। केन्द्रीयकृत प्रबंधन, विस्तारित भंडारण क्षमता, प्रभावी डेटा बैकअप और रिकवरी, लागत प्रभावी स्केलेबिलिटी सरल फाइल साझेदारी और मजबूत डेटा पुनः संचालन सुनिश्चित हुआ।
22.	सम्मान/पुरस्कार/ विशिष्टताएँ	(क) इस संस्थान के श्री जेठवा महेन्द्र कुमार AE(QA) को DGQA Commendation Award with Badge-2023 से सम्मानित किया गया। (ख) इस संस्थान के श्री शानतनु कुमार श्रीवास्तव Tech (SK) को DGQA Cash Award - 2023 से सम्मानित किया गया। (ग) इस संस्थान के श्री शिशुपाल कुमार, JE(QA) को और सचिन चौरसिया, UDC को ADGQA(A) Appreciation Certificate-2023 से सम्मानित किया गया।

विश्व योग दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस

स्वतंत्रता दिवस

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

कृष्ण जन्माष्टमी – 2025

वृक्षारोपण अभियान

उत्कृष्ट कर्मी

उत्कृष्ट कर्मी

कार्मिक सभा

ASSURANCE ESTT (ARMTS)

ASSURANCE ESTT (ARMTS)
कार्मिक सभा

ASSURANCE ESTT (ARMTS)
कार्मिक सभा

हिन्दी पखवाड़ा समारोह – 2024

स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम

विदाई समारोह

SQAE (A), KANPUR

वरिष्ठ गुणता आश्वासन स्थापना (आयुध) कानपुर
SR QUALITY ASSURANCE ESTT (ARMTS) KANPUR
SQAE (A), KANPUR

SQAE (A), KANPUR

वरिष्ठ गुणता आश्वासन स्थापना
SR QUALITY ASSURANCE ESTT

स्वास्थ्य शिविर – 2024

विक्रेता सम्मेलन – 2025

डी जी क्यू ए दिवस

वरिष्ठ गुणता आश्वासन स्थापना (आयुध) कानपुर
SR QUALITY ASSURANCE ESTT (ARMTS) KANPUR
DGQA Day Celebrations
27 Sep 2024

वार्षिक निरीक्षण – 2025

वार्षिक निरीक्षण – 2025

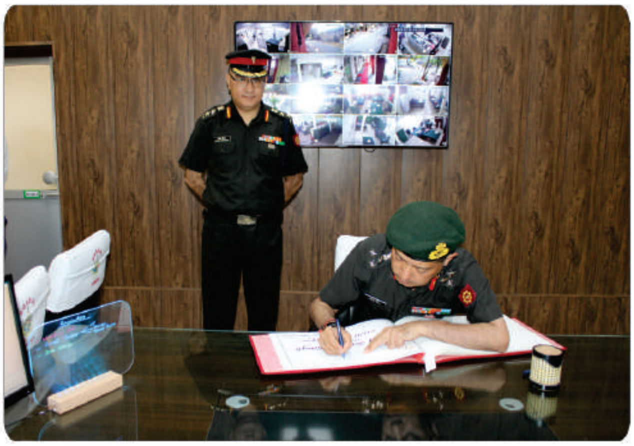

गणतंत्र दिवस

अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस – 2025

भारत सरकार

गृह मंत्रालय

राजभाषा विभाग

(सदैव ऊर्जावान: निरंतर प्रयासरत)

राजभाषा प्रतिज्ञा

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 और 351 तथा राजभाषा संकल्प 1968 के आलोक में हम, केन्द्र सरकार के कार्मिक यह प्रतिज्ञा करते हैं कि अपने उदाहरणमय नेतृत्व और निरंतर निगरानी से अपनी प्रतिबद्धता और प्रयासों से प्रशिक्षण और प्राइज से अपने साथियों में राजभाषा प्रेम की ज्योति जलाये रखेंगे, उन्हें प्रेरित और प्रोत्साहित करेंगे; अपने अधीनस्थ के हितों का ध्यान रखते हुए अपने प्रबंधन को और अधिक कुशल और प्रभावशाली बनाते हुए राजभाषा हिंदी का प्रयोग, प्रचार और प्रसार बढ़ाएंगे। हम राजभाषा के संवर्द्धन के प्रति सदैव ऊर्जावान और निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

जय राजभाषा !

जय हिंद !

वरिष्ठ गुणता आश्वासन स्थापना, (आयुध)

आर्मापुर, कानपुर

❋ नज़रिया ❋

एक व्यक्ति हर समय दूसरों में कमियाँ खोजता रहता। सबकी निंदा करना, नुक्ताचीनी करते रहना, यही उसका स्वभाव था। उसका विवाह हुआ, वह जब पत्नी के हर काम में नुक्स निकालता और उसे हर बात पर डाँटता रहता। उसे पत्नी का बनाया भोजन बेस्वाद लगता, घर के हर काम में कमी ढूँढ लेता। पत्नी सुन्दर थी, वह अब तो पत्नी की आवाज का ही मज़ाक उड़ाता। सभी परिचित उसकी पत्नी की प्रशंसा करते थे सिवाय उसके। उसको अपने मित्रों की पत्नियाँ सर्वगुण सम्पन्न लगती, पर उसकी पत्नी बात करती तो उसकी खिल्ली उड़ता और चुप रहती तो उसे असामाजिक कहता।

पति के व्यवहार से जब पत्नी उदास रहने लगी तो, क्या हर समय रोनी सूरत बनाए रहती हो? कहकर उसे डपटता। उसे अपनी पत्नी में दोष ही दोष नजर आते थे। वह पत्नी से छुटकारा पाने के उपाय सोचने लगा, ताकि यह किसी स्मार्ट और समझदार स्त्री से विवाह कर सके। परंतु वह जानता था कि तलाक लेने में अनेक झंझट है और बदनामी होने का डर अलग से। वह चाहता कि कुछ ऐसा किया जाए कि काम भी हो जाए और उस पर कोई लांछन भी न लगे।

वह एक दिन इस मतलब से अपने डॉक्टर मित्र से मिलने गया। उसे अपना राजदार बनाते हुए कहा कि ऐसा कोई जहर हो जो धीमा असर करता हो ताकि किसी को संदेह न हो और पत्नी से छुटकारा भी मिल जाए। मित्र डॉक्टर ने पहले तो समझाने की कोशिश की परंतु वह अपनी बात पर अड़ा रहा कि उसकी पत्नी सुधार ही नहीं सकती।

अंत में डॉक्टर मित्र ने दवा तो दी परंतु साथ में यह हिदायत दी कि इस बीच वह अपनी पत्नी से बहुत अच्छा व्यवहार करे। उसके साथ प्रेमपूर्वक पेश आए। उसके काम की तारीफ करे। मीठे स्वर में बात करे। उसे घुमाने ले जाए और कभी उसके लिए उपहार ले आए। ताकि किसी को भी उस पर शक न हो।

यूँ बीस पच्चीस दिन बीते होंगे कि पति परेशान सा उसी डॉक्टर मित्र के पास गया और बोला अब तो मेरी पत्नी पूरी तरह से बदल गई है भोजन भी अच्छा बनाती है, मीठी बातें करती है। हम एक साथ सिनेमा देखने गये और चार दिन के लिए शिमला भी गए। बहुत आनंद आया, ऐसी पत्नी ही तो मैं चाहता हूँ।

मैं उसे किसी भी हालत में खोना नहीं चाहता। मेहरबानी करके कोई ऐसी दवा दो जिससे कि उसके अंदर गये हुए जहर का असर खत्म हो जाए। वह अपने डॉक्टर मित्र से मिन्नत करने लगा।

डॉक्टर मित्र ने राज खोलते हुए बताया कि जो दवा उसने दी थी वह वास्तव में जहर था ही नहीं बल्कि ताकत का पाउडर था।

तुम बेफिक्र रहो, तुम्हारी पत्नी को कुछ नहीं होगा। तुम्हें उसमें जो इतने नुक्स नजर आते थे, दरअसल वह सब तुम्हारे अपने नजरिए के कारण ही था।

अतः सभी को दूसरों के प्रति अपना नजरिया प्रेमपूर्वक रखना चाहिए न की हमेशा कमी ढूँढते रहना चाहिए।

जे.एस. ठाकुर
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी,
वरि.गु.आ.स्था. (आ.)

❋ श्रम सुधार : भारतीय श्रम परिदृश्य ❋ में एक युगांतकारी परिवर्तन

भारत की अर्थव्यवस्था में श्रम शक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। देश की कुल कार्यशील जनसंख्या का एक बड़ा भाग असंगठित क्षेत्र में कार्यरत है,, जहाँ श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा, न्यूनतम वेतन और कार्यस्थल की सुरक्षा जैसे अधिकारों से वंचित रहना पड़ता है। भारत में श्रम कानूनी की एक विस्तृत श्रृंखला विकसित हुई, जिनमें से अधिकांश औपनिवेशिक काल की आवश्यकताओं पर आधारित थे एवं स्वतंत्रता के पश्चात् आवश्यकतानुसार समय के साथ इन कानूनों की संख्या बढ़ती गई, जिससे अनुपालन, प्रवर्तन और व्याख्या में जटिलता उत्पन्न हुई। भारत में श्रमिकों की सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के साथ-साथ उद्योगों को प्रतिस्पर्धी बनाने की आवश्यकता है। वर्तमान सरकार ने इस स्थिति को सुधारने हेतु वर्ष 2019-2020 में चार श्रम संहिताओं (कोड) यथा वेतन संहिता, 2019, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता, 2020 को अधिसूचित किया, जो 29 पुराने श्रम कानूनों प्रतिस्थापित करेंगी, यह सुधार न केवल श्रम कानूनों के सरलीकरण की दिशा में एक पहल है बल्कि यह भारत को श्रम सुधारों के माध्यम से वैश्विक निवेश के लिए अधिक आकर्षक बनाने का प्रयास भी है इन संहिताओं का विवरण निम्नवत है -

वेतन संहिता 2019 : यह संहिता चार पुराने अधिनियमों - न्यूनतम वेतन अधिनियम, 1948, वेतन भुगतान अधिनियम 1936; समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976 और बोनस अधिनियम 1965 को समाहित करता है। इसका उद्देश्य सभी श्रमिकों को एक समान न्यूनतम वेतन सुनिश्चित करना, वेतन भुगतान की समयबद्धता और पारदर्शिता को बढ़ाना, तथा समान कार्य के लिए समान वेतन का सिद्धांत लागू करना है। यह संहिता संगठित एवं असंगठित दोनों क्षेत्रों के श्रमिकों पर लागू होती है, जिससे श्रामिकों के अधिकारों की व्यापक सुरक्षा सुनिश्चित होती है। संहिता के अंतर्गत केन्द्र सरकार को राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन निर्धारित करने का अधिकार प्राप्त है, जिससे विभिन्न राज्यों में वेतन असमानता को कम किया जा सके। इस संहिता में वेतन की परिभाषा को स्पष्ट और व्यापक रूप से पुनः परिभाषित किया गया है, जिससे नियोक्ता और श्रमिक दोनों के लिए वेतन संरचना में पारदर्शिता आती है। बोनस भुगतान की पात्रता को भी सरल और स्पष्ट किया गया है, जिससे श्रमिकों को उनके प्रदर्शन और सेवा के आधार पर लाभ मिल

सके। वेतन कटौती की सीमा और भुगतान की विधियाँ की प्रक्रिया को भी संहिताबद्ध किया गया है। कुल मिलाकर, वेतन संहिता, 2019 श्रमिकों के आर्थिक अधिकारों को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

औद्योगिक संबंध संहिता 2020: औद्योगिक संबंध संहिता 2020 का उद्देश्य श्रमिकों और नियोक्ताओं के बीच संबंधों को संतुलित पारदर्शी और न्यायसंगत बनाना है। यह संहिता तीन पुराने अधिनियमों -ट्रेड यूनियन अधिनियम 1926; औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 और स्थायी आदेश अधिनियम 1946 को समाहित करती हैं। इसके अंतर्गत ट्रेड यूनियन के पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है तथा एक मान्यता प्राप्त यूनियन की अवधारणा को लागू किया गया है, जिससे सामूहिक सौदेबाजी को प्रभावी बनाया जा सके।

संहिता में विवाद समाधान हेतु एक सुव्यवस्थित प्रणाली दी गई है, जिसमें समझौता अधिकारी, औद्योगिक न्यायाधिकरण और राष्ट्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण की भूमिका स्पष्ट की गई है। 300 से अधिक श्रमिकों वाले प्रतिष्ठानों को छंटनी हेतु पूर्व अनुमति से छूट दी गयी है, हड़ताल और तालाबंदी की प्रक्रिया को विनियमित किया गया है, जिससे उत्पादन में बाधा कम हो और संवाद की संस्कृति को बढ़ावा मिले। इसके अतिरिक्त कार्यस्थल पर अनुशासन, सेवा शर्तों में परिवर्तन और पुनः नियुक्ति जैसे विषयों को भी संहिताबद्ध किया गया है।

सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020: इस संहिता का उद्देश्य सभी श्रमिकों - संगठित, असंगठित, और गिग वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाना है। यह संहिता नौ पुराने अधिनियमों को समाहित करती है, जिनमें कर्मचारी भाविष्य निधि, राज्य कर्मचारी बीमा योजना, मातृत्व लाभ, ग्रेच्यूटी, और भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार अधिनियम शामिल है। संहिता के अंतर्गत एक सामाजिक सुरक्षा कोष की स्थापना का प्रविधान किया गया है, जिससे असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को पेंशन, बीमा और स्वास्थ्य लाभ मिल सके।

इस संहिता में पंजीकरण, योगदान और लाभ प्राप्ति की प्रक्रिया को डिजिटल रूप से सक्षम बनाया गया है। गिग अथवा डिजिटल प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए विशेष प्रावधान किए गए है, जिससे आधुनिक कार्यबल को भी सुरक्षा मिल सके। नियोक्ताओं के लिए अनुपालन को सरल बनाया गया है, और श्रामिकों के लिए प्रविडेंट फंड पोर्टेबिलिटी की सुविधा दी गई है, जिससे वे देश के किसी भी हिस्से में लाभ प्राप्त कर सकें।

व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता, 2020 : यह संहिता कार्यस्थल पर सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यदशा से संबंधित 13 पुराने अधिनियमों को समाहित करती है, जिनमें फैक्ट्री अधिनियम, खदान अधिनियम और भवन निर्माण अधिनियम प्रमुख है। इसका उद्देश्य श्रमिकों को सुरक्षित, स्वस्थ और गरिमामय कार्य वातावरण प्रदान करना है। संहिता में सभी प्रतिष्ठानों के लिए स्वास्थ्य जांच, सुरक्षा प्रशिक्षण, और कार्यस्थल मानकों को अनिवार्य किया गया है।

संहिता के अंतर्गत नियोक्ताओं को सुरक्षा उपायों की रिपोटिंग, दुर्घटना की सूचना और जोखिम मूल्यांकन की जिम्मेदारी दी गई है। महिलाओं को रात्रिकालीन कार्य की अनुमति दी गईहै, बशर्ते, सुरक्षा उपाय सुनिश्चित हों। श्रमिकों के लिए विश्राम, स्वच्छता और पीने के पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं को अनिवार्य किया गया है। यह संहिता, कार्यस्थल को मानव केंद्रित और उत्पादक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

श्रम सुधारों को प्रभावी रूप से लागू करने हेतु भारत सरकार ने कई नई डिजिटल और वित्तीय योजनाएँ प्रारंभ की हैं, जिनका उद्देश्य श्रामिकों को पहचान, सुरक्षा और लाभ की सीधी पहुँच प्रदान करना है। ये योजनाएँ उक्त श्रम संहिताओं के उद्देश्यो को व्यवहारिक रूप से साकार करती है।

ई-श्रम कार्ड योजनाः इस योजना का उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का राष्ट्रीय स्तर पर पंजीकरण कर उन्हें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ना है तथा श्रमिकों के एकल डिजिटल पहचान संख्या के माध्यम से ट्रैकिंग और लाभ वितरण करना है श्रमिक का पंजीकरण के साथ रू0 2 लाख तक का दुर्घटना बीमा हो जाता है यह योजना भविष्य कि योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना आदि से सीधा लाभ प्रदान करेगी। यह योजना सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के उद्देश्यों को सशक्त करती है।

कर्मचारी दायित्व बीमा योजनाः इस योजना का उद्देश्य कार्यस्थल पर दुर्घटना या मृत्यु की स्थिति में श्रमिकों को बीमा सुरक्षा प्रदान करना। यह योजना व्यवसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता के तहत कार्यस्थल सुरक्षा और स्वास्थ्य के प्रावधानों को पूरा करती है।

श्रम योगी मान धन योजनाः इस योजना का उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को वृद्धावस्था में रू3000 मासिक पेंशन प्रदान करना। यह योजना सामाजिक सुरक्षा संहिता के दीर्घकालिक सुरक्षा प्रावधानों को सशक्त करती है।

नेशनल कैरियर सर्विस पोर्टल (NCS) : इस योजना का उद्देश्य रोजगार के अवसरों, कौशल प्रशिक्षण और करियर मार्गदर्शन की सुविधा प्रदान करना एवं नियोक्ता और नौकरी चाहने वालो को एक मंच पर लाना तथा गिग वर्कर्स और प्रवासी श्रमिकों को रोजगार से जोड़ना है।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना 2025: यह योजना उन युवाओं के लिए हैं जिन्हें प्राइवेट सेक्टर में पहली नौकरी मिली है । इस योजना के तहत सरकार युवाओं को आर्थिक प्रोत्साहन के रूप में 15000/= देती हैं। इस योजना का उद्देश्य देश में रोजगार के अवसर बढ़ाना और युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। यह योजना युवाओं के साथ-साथ कंपनियों को भी आर्थिक प्रोत्साहन प्रदान कर नए रोजगार पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

वर्तमान श्रम सुधार भारत के श्रम कानूनों को आधुनिक, समावेशी और व्यावहारिक बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। ये सुधार न केवल श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करता है, बल्कि उद्योगों को प्रतिस्पर्धी और उत्तरदायी भी बनाता है निकट भविष्य में सरकार द्वारा उक्त चारों संहिताओं को लागू करने की अधिसूचना के साथ क्रियान्वयन प्रारम्भ होगा जो कि देश को सामाजिक न्याय और आर्थिक विकास की दिशा में एक नई ऊँचाई तक ले जाएगा।

दीपेन्द्र मोहन वर्मा

सहा. श्रमकल्याण आयुक्त
(केन्द्रीय)

❋ ऑपरेशन सिंदूर ❋

ऑपरेशन सिंदूर का नाम "सिंदूर" सांस्कृतिक रूप से बेहद प्रतीकात्मक है - यह उस लाल रंग का प्रतीक है जिसे विवाहित हिंदू महिलाएं मांग में भरती है, और जो उनके पति के जीवन का प्रतिनिधित्व करता है। इस ऑपरेशन का नाम उन महिलाओं के प्रति सम्मान का एक भावनात्मक संकेत था, जिन्होंने अपने जीवन साथी खो दिए जैसे ले. विनय नरवाल की पत्नी हिमांसी ने आक्रोश में अपना सिंदूर मिटाया था। ऑपरेशन की शुरूआत 6-7 मई की मध्यरात्रि को हुई, जिसकी अवधि लगभग 25 मिनट थी (1:05 A.M. से 1:30 A.M. के बीच)। इस दौरान 9 आतंकी शिविरों को निशाना बनाया गया जो पीओके और पाकिस्तान में स्थित थे, जिनमें लश्कर-ए-तयबा, जैश-ए-मोहम्मद, और हिजबुल मुजाहिद्दीन के ट्रेनिंग कैंप शमिल थे।

भारतीय वायुसेना और सेना के उच्च-परिशुद्धता वाले हथियार - जैसे स्कैल्प क्रूज मिसाइल, हैमर बम, स्पाइस-2000 और स्काईस्ट्राइकर ड्रोन का उपयोग करते हुए ऑपरेशन को पूरा किया गया। लगभग 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए, जिसमें जैश के कुछ उच्च कमांडर और उनके परिवार शमिल थे।

पाकिस्तान के निम्न-तकनीकी एयर डिफेंस सिस्टम को तोड़ा गया और वहाँ के 11 एयरवेस को नुकसान पहुँचा जिसमें एफ-16 से एफ-17 फाइटर जेट भी शमिल थे। इससे पाक वायुसेना का लगभग 20 प्रतिशत इंफ्रास्ट्रक्चर नष्ट हो गया। यह पहली बार था जब भारत ने इस तरह से किसी परमाणु शक्ति संपन्न देश के एयर बेसों को निशाना बनाया।

ऑपरेशन का नाम उन महिलाओं के दर्द धैर्य और न्याय की एक कथा के रूप में चिन्हित किया। भारत ने यह संदेश साफ दिया कि आतंकवाद का जवाब गर्व और सक्रिय न्याय से दिया जाएगा। यह कार्यवाही भारत की आतंकवाद के प्रति जीरों टॉलरेंस नीति और सैन्य शक्ति का प्रतीक है। देश में इसे व्यापक समर्थन मिला, जबकि पाकिस्तान ने निंदा की। ऑपरेशन सिंदूर ने न केवल आतंकियों का मनोबल तोड़ा, बल्कि भारत की रणनीतिक ताकत को विश्व पटल पर स्थापित किया।

सफलता के बाद भारत ने 7 मई 2025 को एक आधिकारिक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जिसमें भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ दो महिला सैन्य अधिकारी मौजूद थी।

इनमें कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह शामिल थी। इन दोनों महिला अधिकारियों ने भारत के सैन्य पराक्रम की तस्वीर को दुनिया के सामने पेश की और ऑपेरशन सिंदूर के तहत की गई कार्यवाही के बारे में विस्तार से बताया।

"ऑपरेशन सिंदूर" एक सामरिक जवाब था, जिसमें तकनीकि क्षमताओं, चुस्ती से भरी रणनीति और भावनात्मक न्याय की ताकत एकजुट हुई। इसका नाम और इसकी कहानी उन परिवारों-खासकर उन महिलाओं की याद में एक प्रतीक बन गई, जिन्होंने अकल्पनीय दर्द सहा। अंदरूनी ताकत, दृढ प्रतीज्ञा और मानवता के संदेश के साथ यह ऑपरेशन भारतीय सेना के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय बन गया।

श्री राकेश कुमार यादव
प्रशा. अधिकारी

❋ तिरंगे का कर्ज ❋

लाल रक्त से धरा नहाई,
श्वेत नभ पर लालिमा छायीं,
आजादी के नव उद्घोष पे,
सबने वीरों की गाथा गायी,
गाँधी, नेहरु, पटेल, सुभाष की,
ध्वनि चारों ओर है छायी,
भगत, राजगुरु और सुखदेव की
कुरबानी से आँखे भर आई ॥

ऐ भारत माता तुझसे अनोखी,
और अदभुद माँ न हमने पायी,
हमारे रंगों में तेरे कर्ज की,
एक-एक बूँद समायी,
माथे पर है बाधे कफ़न,
और तेरी रक्षा की कसम है खायी,
सरहद पे खड़े रहकर,
आजादी की रीत निभाई ॥

श्रीमती कमला यादव

पत्नी राकेश कुमार यादव
प्रशासनिक अधिकारी

❋ 15 अगस्त ❋

प्रतिवर्ष 15 अगस्त को भारत देश के स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से लिखा गया है। हर साल देश के प्रधानमंत्री लाल किले पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते है। जिसके बाद राष्ट्रगान गाया जाता है, सेना द्वारा परेड मार्च और शक्ति प्रदर्शन किया जाता है और साथ ही स्वतंत्रता सेनानियों को 21 तोपों की सलामी भी दी जाती है। देश के प्रधानमंत्री देश को सम्बोधित करते है। राष्ट्र ध्वज के सम्मान में कुछ लाइन कहना चाहूँगी -

दे सलामी इस तिरंगे को,
जिससे तेरी शान है,
सर हमेशा ऊँचा रखना इसका,
जब तक दिल में जान है।।

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के पर्व को सम्पूर्ण देश में बहुत ही जोश, उमंग और देश भक्ति भाव के साथ मनाया जाता है। स्कूल और कॉलेज में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। जिसमें अधिकतर बच्चे भाग लेते हैं और अलग-अलग प्रस्तुतियां प्रस्तुत करते हैं। कोई देशभक्ति गीत सुनाता है, और कोई देशभक्ति से संबंधित कविता सुनाता है, और कोई सांस्कृतिक गीतों पर नृत्य तैयार करते है। छात्र, भगत सिंह, महात्मा गाँधी और अन्य क्रांतिकारी बनते है और नाटक पेश करते है। हमें अंग्रेजों के शासन से आजादी ऐसे ही नहीं मिली है। इस आजादी को प्राप्त करने के लिए हमारे देश के बहुत से स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को याद करते हुए अपने राष्ट्र का सम्मान बनाये रखने के इस शुभ दिन पर हम सभी मिलकर राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाये रखने का प्रण लेते है। कुछ लाइनों के साथ अपनी बात को समाप्त करती हूँ -

आजादी की कभी शाम नहीं होने देंगे,
शहीदों की कुर्बानी बदनाम नहीं होने देंगे,
बची हो जो एक बूँद भी गरम लहू की,
तब तक भारत माता का आँचल नीलाम नहीं होने देंगे।
जय हिन्द! ..... जय भारत ......

सोनाली
(पुत्री-राकेश कुमार यादव)
प्रशासनिक अधिकारी

❋ जब भारत आज़ाद हुआ था ❋

जब भारत आज़ाद हुआ था
आज़ादी का राज हुआ था
वीरों ने कुरबानी दी थी
तब भारत आज़ाद हुआ था
भगत सिंह ने फांसी ली ली
इंदिरा का जनाज़ा उठा था
इस मिट्टी की खुशबू ऐसी थी
तब खून की आँधी बहती थी
वतन का जज़्बा ऐसा था
जो सबसे लडता जा रहा था
लड़ते लड़ते जान गयी थी
तब भारत आज़ाद हुआ था
फिरंगियों ने ये वतन छोड़ा था
इस देश के रिश्तों को तोड़ा था
फिर भारत दो भागो में बाँटा था
एक हिस्सा हिन्दुस्तान था
दूसरा पाकिस्तान कहलाया था
सरहद नाम की रेखा खींची थी
जिसे कोई पार न कर पाया था
ना जाने कितनी माये रोई थी,
ना जाने कितने बच्चे भूखे सोए थे,
हम सब ने साथ रहकर
एक ऐसा समय भी काटा था
वीरो ने कुर्बानी दी थी
तब भारत आज़ाद हुआ था।

अविनाश कुमार
पुत्र राकेश कुमार यादव
प्रशासनिक अधिकारी

❋उम्मीदों का आसमान❋

ज्ञान को विज्ञान का विकास बस बनाइए,
ज्ञान के प्रकाश से विहान को जगाइए।
ऐ धरा सुभाष की उम्मीद को निभाइए,
द्वेष और विद्वेष में देश मत बटाइए।
लो शपथ कि अब, हमें ना कोई बाँट पाएगा।
नाम लेकर वोट का सच भुला जाएगा।
बापू की कुर्बानी को व्यर्थ मत लुटाइए,
गोलियों के खौफ से निशाना मत लगाइए।
ज्ञान को प्रकाश से विज्ञान को जगाइए।
अमीर और गरीब का भेद भूल जाइए।
मजहबों के नाम, देश मत जलाइए
आसुओं को मोल से अमोल बस बनाइए
नीति से अनीति का विचार बस भगाइए
देश के विकास का कारवां बस बनाइए
ज्ञान को विज्ञान का विकास बस बनाइए,
ज्ञान के प्रकाश से विहान को जगाइए।

अनुप कुमार बरुआ
सहा. अभि. (गु.आ.)

❋ स्वच्छता ❋

यह सन्देश जन-जन तक पहुँचाना है,
इधर उधर कूड़ा कचरा नहीं फैलाना है।
स्वच्छता बस है, संकल्प हमारा
बन जाए भारत न नूतन प्यारा
तन मन की बगिया को भी महकना है
सफाई की अलख हर दिल में जगाना है
देश का ऊँचा नाम हो
हर दिल का अभिमान हो
साफ सुथरी पहचान हो
चहुँ दिशा उजियारा हो
देश हमारा प्यारा हो
देश में बस खुशहाली हो
धरती, अंबर, सात समंदर
हो जाए जंगल में मंगल
सुधा की प्यास बुझानी है
अमृत की भी कहानी है
बगिया को भी महकाना है
फूलों से सजाना है
स्वच्छ भारत सुंदर भारत
भारत की अच्छाई है
हर दिल की सच्चाई है
स्वच्छ भारत सपना है
देश हमारा अपना है
क्लीन सिटी, ग्रीन सिटी
यह हमारी ड्रीम सिटी
यह संदेश जन-जन तक पहुँचाना है
बस इतना ही इरादा है
खुद से बस एक वादा है स्वच्छता ही धर्म हमारा है,
इसकी रक्षा कर्म हमारा है
अंबर को चमकना है
वसुधा को जन्नत बनाना है।

❋ आज़ादी ❋

पंछी है कैद
अगर तो उड़ने में कर मदद तू
रात है काली अगर
दिया जलाकर रौशन कर तू
बीत गए कई साल रुढ़िवादी विचारों में उलझ कर
सुलझा मन के भाव तू
औरत, आदमी या हो कोई बच्चा
सबके जीवन का कर सम्मान तू
तोड़ दे दीवारें सारी
आगे बढ़ विजयी राह पर
उन वीरों ने क्या पाया
उन वीरों ने क्या पाया
अगर तू अब भी डर में खोया
उठ जा तू छू ले आसमान
आजादी पे है सबका हक

अनुप कुमार बरुआ
सहा. अभि. (गु.आ.)

❋ जीवन में अभिनय का महत्व ❋

अभिनय एक ऐसी कला है जो प्राचीन काल से अभी तक चली आ रही है। अभिनय किसी भी पात्र की भावनाएँ, चुनौतियाँ और विचारों को प्रदर्शित करने का एक माध्यम है । एक उत्कृष्ट अभिनेता अभिनय की बारीकियों को बहुत अच्छे से समझता है और किसी भी प्रकार के व्यक्तित्व को अपनी कला के माध्यम से प्रदर्शित कर सकता है।

आज मैं अपने लेख के माध्यम से बताना चाहता हूँ कि हम सब ''अभिनय'' कला से कैसे अपना जीवन सुधार सकते हैं। कठिन परिस्थितियों का सामना कर सकते हैं और जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

क्या आपने कभी विचार किया है कि आपके आस-पास के सफल लोग अपने विचारों, भावनाओं को बड़ी अच्छी तरह से, किसी भी व्यक्ति के सम्मुख चाहे वह पद, शिक्षा, इत्यादि में उनसे बड़ा या छोटा हो सकता है, रख पाते है। दरसल, आप माने या न माने वह यह जीवन के अनुभव से जान चुके होते हैं कि किस परिस्थिति में क्या प्रस्तुत करना है । वह हर समय किसी न किसी किरदार का अभिनय कर रहे होते हैं जिसकी तैयारी वह बार-बार कर चुके होते हैं । उदाहरण के लिए एक सफल सेल्समैन चाहे कितनी भी विपरीत परिस्थिति क्यों न हो, हो सकता है कि घर पर उसका बच्चा बीमार हो, पर जब वो ग्राहकों से बात करता है तो ऐसा प्रतीत कराता है जैसे आप उस क्षण उसके लिए सबसे महत्वपूर्ण हो, या आप उसके परम्मित्र या कॉलेज / स्कूल के सहपाठी है। वह यह इसलिए कर पाता हैं क्योंकि उसने बार-बार अभ्यास करके ''सेल्समैन'' के किरदार के अभिनय में उत्कृष्टता प्राप्त कर ली है । यह बात केवल सेल्समैन के लिए ही नहीं बल्कि यह बात आपके लिए भी लागू होती है। हम भी जीवन में कोई न कोई किरदार निभा रहें है या ये सरल भाषा में कह सकते है किं अभिनय कर रहे हैं। आप घर पर पिता, पति या बेटे का अभिनय करते हैं। आपका परिवार कितना सुखी रहे, यह भी अभिनय के ऊपर निर्भर करता है कि आप कितना अच्छा या उत्कृष्ट अभिनय कर पाते हैं। आप कार्यालय या कार्यक्षेत्र में भी एक पात्र का अभिनय करते हैं। उस पात्र का अभिनय आप कितनी अच्छी तरह से कर पाते हैं यह आपके कार्यक्षेत्र में आपकी सफलता या असफलता तय करता है।

इस विषय पर विचार रखते हुए मैं एक उदाहरण प्रस्तुत करना चाहता हूँ कि आपको परिस्थिति के अनुसार अलग-अलग अभिनय या अलग-अलग पात्र का चयन करना है। एक स्कूल के प्रधानाचार्य जो कि स्कूल में बहुत कठोर है परंतु यह पात्र वह घर पर आपने बच्चों पर नहीं कर सकते हैं। क्योंकि वहाँ वह एक पिता है। यदि वह ऐसा करते है तो निश्चित ही वह बच्चों से कभी वह वैसे संबंध नहीं स्थापित कर पायेंगे जैसे आम पिता-पुत्र के होते है। किसी पुलिस विभाग जैसे सख्त

विभाग में काम करने वाले यदि, वह किरदार घर पर चालू रखते हैं तो उनका पत्नी, बच्चों और माता-पिता से संबंध बिगड़ सकते हैं। इसलिए उचित जगह पर उचित पात्र का चुनाव करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

जब आप कही साक्षात्कार पर या कहीं किसी कार्यालय की किसी प्रस्तुति इत्यादि के लिए जाते हैं तो आप अभिनय कला, जो उस किरदार / पात्र के लिए महत्वपूर्ण है यदि उसका अभ्यास करके जाते हैं तो आपको सफलता मिलने की संभावना बहुत अधिक बढ़ जाती है एक अच्छा अभिनेता जीवन के भिन्न-भिन्न पात्रों को अभ्यास करके, जीवन में महत्वपूर्ण ऊँचाईयों को छू पाता है।

जीवन में अभिनय कला का उपयोग करके हम सब निम्नलिखित उपलब्धियाँ प्राप्त कर सकते है -

1. एक साक्षात्कार में व्यक्ति यदि पहले से अभ्यास करके जिस जॉब के लिए प्रयास कर रहा है उस क्षेत्र की पूर्ण जानकारी प्राप्त करके, साक्षात्कार लेने वाले व्यक्ति को यह आभास करा पाता है कि वह उस क्षेत्र में निपुण है, भले ही उससे अधिक क्षेत्र अनुभव वाले प्रत्याशी वहाँ पर साक्षात्कार दे चुके हो। व्यक्ति केवल उत्कृष्ट अभिनय के बल पर सफलता प्राप्त कर सकता है।
2. एक उत्कृष्ट अभिनय में निपुण व्यक्ति "मंच भय" को भी अभ्यास करके समाप्त कर सकता है।
3. आप एक अच्छे पिता, पुत्र या भाई का सफल अभिनय करके जीवन में रिश्तों को बेहतर बना सकते हैं।
4. एक शिक्षक, कोच, योग प्रशीक्षक कोई भी और क्षेत्र का व्यक्ति यदि अपने क्षेत्र के विषय में जानकारी प्राप्त करके एक अच्छा अभिनय लोगों के सम्मुख प्रदर्शित करता है वह उस क्षेत्र में अवश्य ही सफलता प्राप्त कर सकता है।
5. एक विद्यार्थी, एक खिलाड़ी, एक नौकरी या प्रतियोगी परीक्षा का आकांक्षी भी इस अभिनय कला से सफलता प्राप्त कर सकता है।

रविकांत पटेल
स. अभि. (गु.आ.)
आई.पी. (गन)

❋ राष्ट्रभक्ति ❋

राष्ट्रभक्ति ले हृदय में,
हो खड़ा यदि देश सारा,
संकटों पर मात कर यह,
राष्ट्र विजयी हो हमारा।

क्या कभी किसी ने सुना है,
सूर्य छिपता तिमिर भय से।

क्या कभी सरिता रुकी है,
बाँध से, वन पर्वतों से।

जो न रुकते मार्ग चलते,
चीर कर सब संकटों को।

वरुण करती कीर्ति उनका,
तोड़ कर सब असुर दल को,
ध्येय मंदिर के पथिक को,
कंटकों का ही सहारा।

संकटो पर मात कर यह,
राष्ट्र विजयी हो हमारा।

हम न रुकने को चले हैं,
सूर्य के यदि पुत्र है तो,
हम न हटने को चले हैं,
सरित की यदि प्रेरणा तो,

चरण अंगद ने रखा है,
आ इसे कोई हटाये,
दहकता ज्वालामुखी यह,
आ इसे कोई बुझाये।
मृत्यु की पीकर सुधा हम,
चल पड़ेगे ले दुधारा,
संकटों पर मात कर यह,
राष्ट्र विजयी हो हमारा।

दीपिका पटेल
पत्नी रविकांत पटेल
सहा. अभि. (गु.आ.)

❋'कल' मैंने देखा है❋

आज जगदीश बहुत खुश था। आखिर उसकी पत्नी ने उसका मनपसंद नाश्ता जो बनाया था। जगदीश ने अपनी पत्नी को बाय बोला और शाम को समय से आने का वादा कर पार्किंग में अपनी मोटर साइकिल को किक मारी और हिंदी फिल्म जीवन मृत्यु का ये गाना गुनगुनाता हुआ अपने ऑफिस की ओर निकल पड़ा।

"प्रेम की मली में इक छोटा सा घर बनाएंगे
प्रेम की गली में ओ.. ओ.. ओ..
प्रेम की गली में इक छोटा सा घर बनाएंगे
कलियाँ ना मिले ना सही कॉटों से सजाएंगे।"

ऑफिस के रास्ते में तेज हवा के झोकों से उसे याद आया कि आज हेलमेट तो लगाना ही भूल गया। पत्नी ने हेलमेट दिया तो था लेकिन गलती से पार्किंग में ही भूल गया। लेकिन गाने की धुन इतनी मनमोहक थी कि हेलमेट से ध्याान अगले क्षण ही हट गया। अपने ऑफिस के रास्ते पर जैसे ही जगदीश की मोटर साइकिल चौराहे को पार कर रही थी अचानक बहुत तेज आवाज आई जैसे कि अचानक बादल फट गया हो। अगले ही क्षण चारों तरफ सिर्फ घनघोर शांति बस घनघोर सन्नाटा। तभी उस सन्नाटे से लोगों की आवाज धीरे-धीरे जगदीश के कानों पर पड़ी। जगदीश कुछ समझ नहीं पा रहा था। आखिर क्या हुआ है? किसी मोटर साइकिल सवार का बे-लगाम ट्रक से एक्सीडेंट हो गया था। जगदीश भीड़ में पड़े इंसान को देखने की कोशिश करता है। लोग मदद के लिए इधर-उधर भाग रहे थे। जगदीश ने देखा कि हूबहू उसके मोटर साइकिल जैसी मोटर साइकिल ही पास में गिरी पड़ी थी। उसने भीड़ में अंदर झांकने की कोशिश की। दुर्घटना में उस व्यक्ति के सर से काफी खून बह रहा था। चेहरा तक पहचानना मुश्किल हो रहा था। तभी जगदीश ने गौर किया कि मोटर साइकिल ही नहीं उस व्यक्ति के कपड़े भी बिल्कुल उसके जैसे थे। उसकी जिज्ञासा अचानक और बढ़ गयी और वो भीड़ में सबको धक्का देता हुआ उस दुर्घटना के शिकार व्यक्ति के पास जा पहुँचा। उस व्यक्ति को नजदीक से देख कर उसे सांप सूंघ गया, उसके पैरों के नीचे जमीन खिसक गई। वो व्यक्ति कोई और नहीं बल्कि जगदीश खुद था। उसे विश्वास नहीं हो रहा था कि उसकी यह लीला समाप्त हो चुकी है। उस शरीर पर लगे जख्म उसे कोई भी तकलीफ नहीं दे पा रह थे। वह अब इस नश्वर संसार का हिस्सा नहीं हैं।

जगदीश अपनी मनोदशा किसी को बता नहीं पर रहा था। यह क्या हो गया? अब वो क्या करेगा? उसकी पत्नी उसके मां बाप भाई बहन का क्या होगा ? क्या बीतेगी उनपर? कैसे संभालेंगे वो खुद को। विचारों की आंधी उसके अवचेतन मन की दीवारों को तबाह करने लगी। एक छोटी सी चूक और सब कुछ खत्म।

जगदीश देखा है कि एम्बुलेंस से उसके शरीर को अस्पताल लेकर जा रहे हैं। अस्पताल के बाहर उसके सारे अपने मौजूद हैं। पत्नी और माँ की हालत रो-रोकर खराब हो चुकी थी। बीच-बीच में वो बेहोश हो जा रहे थे। जिनकी हर एक तकलीफ को दूर करने का जिम्मा जगदीश के कंधों पर था, आज उनको संभालने के लिए कंधों का हिसाब हो रहा था।

जगदीश की अंत्योष्टि के कुछ दिन बाद रिश्तेदार वापस अपने घर लौटने लगे थे। उसकी पत्नी को बीमा की कार्यवाही करनी थी। लेकिन बीमा के कागज़ात नहीं मिल रहे थे। उसकी पत्नी ने कितनी बार बोला था कि अपनी अलमारी ठीक कर लो । लेकिन जगदीश कर लूंगा कह कर बार-बार टाल देता था। आज उसके ना होने पर उसके कोई भी जरूरी दस्तावेज आसानी से नहीं मिल पर रहे थे। हर अलमारी छान मारने के बाद उसके दस्तावेज मिले। लेकिन अलमारी की हर हिस्से जैसे-जैसे वो देखते जाती, जगदीश की याद उसे झकझोर देती थी। एक पर्सनल लोन भी चल रहा था जिसका बीमा नहीं करवाया हुआ था। अब जगदीश की पत्नी को बकाया राशि बैंक को चुकाने पड़ेगी।

जगदीश के कोई भी रिश्तेदार आस-पास नहीं रहते थे। इसलिए उसकी पत्नी को सभी काम अकेले ही करने पड़ रहे थे। मानसिक रूप से पूरी तरह थक गई थी वो। एक सुबह रसोई घर में दूध उबाल रही थी। जगदीश चाय लेने हमेशा खुद रसोई में आ जाता था। उसकी यादों में इतना खो गयी बेचारी ने दूध के गरम बर्तन को बिना चिमटे के उठा लिया और गरम होने की वजह से वो दूध का बर्तन जोर से नीचे फर्श पर गिर पड़ा।

बर्तन की गिरने की आवाज़ से डर कर उसने जगदीश को जोर से आवाज़ लगाई और तभी जगदीश की नींद खुल गई। उसके माथे पर पसीना था और वो समझ गया कि ये उसका एक बुरा स्वप्न था। वो भाग कर रसोई घर में गया और अपनी पत्नी को जोर से गले लगाकर सिसक-सिसक कर रोने लगा। उसकी पत्नी कुछ समझ नहीं पर रही थी। उसने जगदीश को बोला कि मुझे कुछ भी नहीं हुआ। दूध नीचे गिरा है और मैं बिल्कुल ठीक हूँ।

जगदीश ने अपनी आंसू थमाते हुए अपने बुरे स्वप्न की बात अपनी पत्नी को बताई और उससे माफी मांगी। उसने अपनी पत्नी से वादा किया कि ''मै हमेशा हेलमेट लगाऊंगा और सुरक्षा नियमों का पालन करूँगा, अपने हर दस्तावेज की जानकारी तुम्हे देकर रखूंगा और उनको सही जगह रखूंगा, मेरे मोबाइल और लैपटॉप का पासवर्ड भी तुम्हे बता कर रखूंगा, सारे लोन का बीमा मैं अतिशीध्र करवाऊंगा, बीमा की सारी किस्ते समय से भरूँगा, बैंक के सारे कागज़ात अपडेट कर दूँगा। लोग सच कहते हैं कि कल का कोई भरोसा नहीं है, कल किसी ने नहीं देखा है। लेकिन आज इस बुरे स्वप्न की वजह से कल मैंने देखा है और मैं वो हर प्रयास करूंगा जिससे तुम्हे वैसा कल कभी न देखना पड़े।

विकास कुमार

सहायक अभियंता (गु. आ.)

❋ साइबर क्राइम–डिजिटल युग का बढ़ता खतरा ❋

आज के डिजिटल युग में इंटरनेट ने हमारे जीवन को बेहद आसान और तेज बना दिया है। डिजिटल युग में इंटरनेट का इस्तेमाल करके ऑनलाइन बैकिंग, सोशल मीडिया, ई-कामर्स और डिजिटल पेमेंट बहुत आसानी से कर सकते है। जिससे हमारी दिनचर्या बहुत सुविधाजनक हो गई है लेकिन तकनीकि विकास के साथ-साथ एक बड़ा खतरा भी पैदा हुआ है।

साइबर क्राइम : यह ऐसा अपराध है जो मोबाइल, कम्प्यूटर, नेटवर्क और इंटरनेट के माध्यम से किया जा रहा है। साइबर क्राइम एक अवैध गतिविधि है। इसमें व्यक्तिगत डेटा चोरी, ऑनलाइन फ्राड, फिशिंग जैसी गतिविधियां शामिल है। साइबर अपराधी लोगों की निजी जानकारी जैसे, बैंक जानकारी आधार कार्ड, पैनकार्ड चुराकर उसका दुरूपयोग करते हैं।

साइबर क्राइम के कारण : साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता की कमी, कमजोर पासवर्ड और सुरक्षा उपाय, तकनीकी ज्ञान का दुरूपयोग, कानून का डर कम होना, अपराधियों का गुमनाम रहना, मनोरंजन के लिए अपराध, आर्थिक लाभ इत्यादि शामिल है।

साइबर क्राइम का असर : व्यक्तिगत बैंक खाते से पैसे चोरी होना, मानसिक तनाव और अवसाद, गलत सूचना फैलाकर, समाज में अशांति पैदा करना, गोपनीयता का उल्लंघन करना, एवं निजी तस्वीरें और जानकारी लीक होना इत्यादि शामिल है।

साइबर क्राइम के बचाव के लिये :

1. ऑनलाइन बैकिंग में मजबूत और यूनिक पासवर्ड का इस्तेमाल करें और कोई भी आपसे आपके बैंक सम्बन्धित जानकारी और पासवर्ड मागता है, तो उसको न दें।
2. संदिग्ध लिंक या ईमेल पर क्लिक न करना।
3. एंटीवायरस और फायरवॉल का उपयोग करना।
4. सोशल मीडिया पर अपनी निजी जानकारी सीमित रूप में साक्षा करें।
5. समय-समय पर अपने पासवर्ड बदलें।

निष्कर्ष : साइबर क्राइम आधुनिक युग का गंभीर खतरा है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जिस तरह हमनें तकनीकी को अपनाया है, उसी तरह हमें साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक होना जरूरी है। अगर हम सावधानी बरतें, सतर्क रहें और सही समय पर कार्यवाही करें, तो साइबर अपराध को काफी हद तक रोका जा सकता है।

महेश सिंह आनन्द

जे.टी.ओ. (एस.)
आई.पी. मेट

※ पानी तेरे कितने नाम ※

आकाश से गिरे तो........	बारिश
आकाश की ओर उठे तो........	भाप
अगर जमकर गिरे तो........	ओले
अगर गिर कर जमे तो........	बर्फ
फूल पर गिरे तो........	ओस
फूल से निकले तो........	इत्र
जमा हो जाए तो........	झील
बहने लगे तो........	नदी
सीमाओं में रहे तो........	जीवन
सीमाएँ तोड दे तो........	प्रलय
आँख से निकले तो........	आँसू
शरीर से निकले तो........	पसीना

अतुल कुमार तिवारी
कार्यालय अधीक्षक
(सामान्य अनुभाग)

※ परिवार ※

वो छोटा सा आंगन, वो चहकती हुई बातें, वो ममता की गोद, वो पिता के सपने, एक धागा अनमोल, जो जोड़े रखता है, चाहे हजार मोड़ आए, कभी न टूटता है।

कभी झगडे, कभी नाराजगी के बादल, फिर भी दिल के अंदर प्यार का है सागर। माँ की एक मुस्कान, बाप का एक एहसास, दुनिया की हर थकान कर देती है खास।

बहन की शरारतें, भाई का है साथ, यादों का ये पिटारा, दिल में बसी है बात। वो दादा-दादी की कहानियाँ पुरानी, जो बनाती हैं ज़िंदगी, खुशियों की कहानी।

ये नहीं है सिर्फ़ रिश्तों का बंधन, ये तो है वे सुकून, वो पहला आशियाना। खुशियाँ बाँट लेना, गम को सह लेना, बिना कुछ कहे ही, सब कुछ कह देना।

परिवार वो साथ है, जो हर पल साथ दे, हार जाओ दुनिया से, वो फिर से हौसला दे। ये धूप है, ये छाँव है, ये बारिश का मौसम है, ये मेरा, ये तेरा, ये हमारा परिवार ही तो है।

मनिष्का भाटिया
पुत्री चिराग भाटिया
(ओ.एस.)

❋ एक गिलास पानी ❋

सरकारी कार्यालय में लंबी लाइन लगी हुई थी। खिड़की पर जो क्लर्क बैठा हुआ था, वह तल्ख़ मिजाज़ का था और सभी से तेज स्वर में बात कर रहा था।

उस समय भी एक महिला को डांटते हुए वह कह रहा था, ''आपको ज़रा भी पता नहीं चलता, यह फॉर्म भर कर लायीं है, कुछ भी सही नहीं है। सरकार ने फॉर्म फ्री कर रखा है तो कुछ भी भर दो, जेब का पैसा लगता तो दस लोगों से पूछ कर भरती आप।''

एक व्यक्ति पंक्ति में पीछे खड़ा काफी देर से यह देख रहा था, वह पंक्ति से बाहर निकल कर, पीछे के रास्ते से उस क्लर्क के पास जाकर खड़ा हो गया और वहीं रखे मटके से पानी का एक गिलस भरकर उस क्लर्क की तरफ बढ़ा दिया।

क्लर्क ने उस व्यक्ति की तरफ आँखे तरेर कर देखा और गर्दन उचका कर 'क्या है?' का इशारा किया।

उस व्यक्ति ने कहा, 'सर, काफी देर से आप बोल रहे हैं, गला सूख गया होगा, पानी पी लीजिये।''

क्लर्क ने पानी का गिलास हाथ में ले लिया और उसकी तरफ ऐसे देखा जैसे किसी दूसरे ग्रह के प्राणी को देख लिया हो। और कहा, ''जानते हो, मैं कड़वा सच बोला हूँ, इसलिए सब नाराज़ रहते है, चपरासी मुझे पानी तक नहीं पिलाता।''

वह व्यक्ति मुस्कुरा दिया और फिर पंक्ति में अपने स्थान पर जाकर खड़ा हो गया।

अब उस क्लर्क का मिज़ाज बदल चुका था, काफी शांत मन से उसने सभी से बात की और सबको अच्छे सेवाएं देनी शुरू की।

शाम को उस व्यक्ति के पास फ़ोन आया, दूसरी तरफ वही क्लर्क था, उसने कहा, ''भाई साहब, आपका नंबर आपके फॉर्म से लिया था, धन्यवाद देने के लिये फ़ोन किया है। मेरी माँ और पत्नी में बिल्कुल नहीं बनती, आज भी जब में घर पहुंचा तो दोनों बहस कर रही था, लेकिन आपका गुरूमंत्र काम आ गया।''

वह व्यक्ति चौंका, और कहा, ''जी? गुरूमंत्र?''

"जी हाँ, मैंने एक गिलास पानी अपनी माँ को दिया और दूसरा अपनी पत्नी को और यह कहा कि गला सूख रहा होगा पानी पी लो। अब तब से हम तीनों हँसते-खेलते बातें कर रहे हैं।

"अब भाई साहब, आप आज हमारे घर पर खाने पर आइये।"

"जी! लेकिन, खाने पर क्यों?"

क्लर्क ने भर्राये हुए स्वर में उत्तर दिया, "गुरू माना है तो इतनी दक्षिणा तो बनेगी ना आपकी ओर ये भी जानना चाहता हूँ, एक गिलास पानी में इतना जादू है तो खाने में कितना होगा?"

दूसरों के क्रोध को प्यार से ही दूर किया जा सकता है। कभी-कभी हमारे एक छोटे से प्यार भरे बर्ताव से दूसरे इंसान में बहुत बड़ा परिवर्तन हो जाता है और प्यार भरे रिश्तों की एकाएक शुरूआत होने लगती है जिससे घर और कार्यस्थल पर मन को सुकुन मिलता है ....!"

राहुल पाल
प्रवर लिपिक

❋ रिश्तों का महत्व ❋

घर की नई नवेली इकलौती बहू एक प्राइवेट बैंक में बड़े ओहदे पर थी। उसकी सास तकरीबन एक साल पहले ही गुज़र चुकी थी। घर में बुजुर्ग ससुर और उसके पति के अलावा कोई न था। पति का अपना कारोबार था।

पिछले कुछ दिनों से बहु के साथ एक विचित्र बात होती। बहू जब जल्दी-जल्दी घर का काम निपटा कर ऑफिस के लिए निकलती ठीक उसी वक्त ससुर उसे आवाज़ देते और कहते बहू, मेरा चश्मा साफ़ कर मुझे देती जा। लगातार ऑफिस के लिए निकलते समय बहू के साथ यही होता। काम के दबाव और देर होने के कारण कभी कभी बहू मन ही मन झल्ला जाती लेकिन फिर भी अपने ससुर को कुछ बोल नहीं पाती।

जब बहु अपने ससुर की इस आदत से पूरी तरह ऊब गई तो उसने पूरे माजरे को अपने पति के साथ साझा किया। पति को भी अपने पिता के इस व्यवहार पर बड़ा ताज्जुब हुआ लेकिन उसने अपने पिता से कुछ नहीं कहा। पति ने अपनी पत्नी को सलाह दी कि तुम सुबह उठने के साथ ही पिताजी का चश्मा साफ करके उनके कमरे में रख दिया करो, फिर ये झमेला समाप्त हो जाएगा।

अगले दिन बहु ने ऐसा ही किया और अपने ससुर के चश्में को सुबह ही अच्छी तरह साफ करके उनके कमरे में रख आई। लेकिन फिर भी उस दिन वही घटना पुनः हुई और ऑफिस के लिए निकलने से ठीक पहले ससुर ने अपनी बहू को बुला कर उसे चश्मा साफ़ करने के लिए कहा। बहू गुस्से से लाल हो गई लेकिन उसके पास कोई चारा नहीं था। बहू के लाख उपायों के बावजूद ससुर ने उसे सुबह ऑफिस जाते समय आवाज़ देना नहीं छोड़ा।

धीरे-धीरे समय बीतता गया और ऐसे ही कुछ वर्ष निकल गए। अब बहू पहले से कुछ बदल चुकी थी। धीरे-धीरे उसने अपने ससुर की बातों को नजर-अंदाज करना शुरू कर दिया और फिर ऐसा भी वक्त चला आया जब बहू अपने ससुर को बिलकुल अनसुना करने लगी। ससुर के कुछ बोलने पर वह कोई प्रतिक्रिया नहीं देती और बिलकुल खामोशी से अपने काम में मस्त रहती। गुजरते वक्त के साथ ही एक दिन बेचारे बुजुर्ग ससुर भी गुजर गए।

समय का पहिया कहाँ रूकने वाला था, वो घूमता रहा घूमता रहा। छुट्टी का एक दिन था। अचानक बहू के मन में घर की साफ़ सफाई का ख्याल आया। वो अपने घर की सफाई में जुट गई।

तभी सफाई के दौरान मृत ससुर की डायरी उसके हाथ लग गई। बहू ने जब अपने ससुर की डायरी को पलटना शुरू किया तो उसके एक पन्ने पर लिखा था - दिनांक 24-08-09 ..... आज के इस भागदौड़ और बेहद तनाव व संघर्ष भरी जिंदगी में, घर से निकलते समय, बच्चे अक्सर बड़ों का आर्शीवाद लेना भूल जाते है जबकि बुजुर्गों का यही आर्शीवाद मुश्किल समय में उनके लिए ढाल का काम करता है। बस इसीलिए, जब तुम चश्मा साफ कर मुझे देने के लिए झुकती थी तो मैं मन ही मन, अपना हाथ तुम्हारे सिर पर रख देता था क्योंकि मरने से पहले तुम्हारी सास ने मुझे कहा थ कि बहू को अपनी बेटी की तरह प्यार से रखना और उसे ये कभी भी मत महसूस होने देना कि वो अपने ससुराल में है और हम उसके माँ-बाप नहीं है। उसकी छोटी मोटी गलतियों को उसकी नादानी समझकर माफ़ कर देना। वैसे मेरा आशीष सदा तुम्हारे साथ है बेटा!!

डायरी पढ़कर बहू फूट-फूटकर रोने लगी। आज उसके ससुर को गुजरे ठीक 2 साल से ज्यादा समय बीत चुके हैं लेकिन फिर भी वो रोज़ घर से बाहर निकलते समय अपने ससुर को चश्मा साफ कर, उनके टेबल पर रख दिया करती है, उनके अनदेखे हाथ से मिले आशीष की लालसा में।

जीवन में हम रिश्तों का महत्व महसूस नहीं करते है, चाहे वो किसी से भी हो, कैसे भी हो और जब तक महसूस करते है तब तक वह हमसे बहुत दूर जा चुके होते है।

इसलिए रिश्तों के महत्व को समझें और उनको सहेज कर रखे।

राहुल पाल
प्रवर श्रेणी लिपिक
स्थापना अनुभाग

❋ हास्य व्यंग ❋

एक साहब कहते हैं कि
ऑफिस जाते हुए रोजाना पत्नी उन्हें कुछ न कुछ याद दिलाती,
कहती थीं आप चाभी भूलकर जा रहे हैं, आपने घड़ी नहीं उठायी, आपका पर्स यहीं रह गया है
वगैरह - वगैरह.......

वे आगे कहते हैं... मैं बड़ी शर्मिंदगी महसूस करता था, ऐसे लगता था कि जैसे मैं
अक्ल से पैदल ही हूँ और मेरी पत्नी मुझे ये चीजें याद दिलाती है।

एक रात को सोने से पहले मैंने ऑफिस जाते समय अपने साथ ले जाने वाली
हर चीज को लिख एक लिस्ट बनाई।

सुबह उठकर लिस्ट की एक एक चीज को निशान लगा कर जेब से डाला और
कार में जाकर बैठा ही था कि दरवाजे पर पत्नी प्रकट हुई।

और शान से अपने सर को हिलाते हुए तिरछी नजरों से देखने लगी।

मैंने भी वही से बैठे-बैठे उसे कह दिया कि बस अब बहुत हो गया: आज मैं
कुछ नहीं भूला और तुम्हारी इन सब बातों को प्रतिदिन याद दिलाने का बहुत शुक्रिया...
पत्नी बोली: चलो वे तो ठीक है लेकिन जा कहां रहे हो, आज छुट्टी है।

राहुल पाल
प्रवर श्रेणी लिपिक
(स्थापना अनुभाग)

❋ चुटकुले ❋

एक लड़की सड़क पर चक्कर खाकर गिर गई,
काफी भीड़ इकट्ठी हो गई।
एक ताऊ भी देखने लगा और चिल्लाया,
कोई निम्बू सोडा लाओ रे....।
एक लड़का भागकर 20 रुपए खर्च करके निम्बू सोडा ले आया।
ताऊ निम्बू सोडा खुद ही पी गया और बोला...
मेरा तो ऐसे हादसे देखकर जी बहुत घबराता है...।

पति आंखे बंद करके सोच में डूबा था,
''कौन हूँ मैं?''
''कहाँ से आया हूँ?''
''क्यों आया हूँ?''
''कहाँ जाना है?''
तभी किचन से पत्नी की तेज आवाज गूंजी,
''एक नम्बर के आलसी हो तुम!''
''पता नहीं कौन सी दुनिया से आये हो!''
''मेरी जिंदगी खराब करने!''
''उठो और नहाने जाओ!''
पति ने आंखे खोली और मुस्कुराकर बोला,
''वाह! मेरे चारों प्रश्नों का बिन माँगे उत्तर मिलने से मुझे संपूर्ण ज्ञान की प्राप्ति हो गई!''

जॉब से संतुष्टि की हद देखिए
एक लड़के को एक गर्ल्स हॉस्टल में
रिसेप्शनिस्ट का काम मिला।
दो महीने के बाद परेशान होकर मालिक ने
उसे बुलाया और कहा-तुम अपनी सैलरी लेने क्यों नहीं आते?
लड़का-ओ माय गॉड! सैलरी भी है?

एक व्यक्ति घर में पुराने कागजात देख रहा था,
तभी उसके हाथ में धर्मपत्नी का आठवीं कक्षा का रिपोर्ट कार्ड आया।
नवम्बरों के नीचे चरित्र प्रमाण पत्र पढ़ कर अभी तक बेहोश है...
लिखा था.... ''मधुरभाषी एवम् शांति प्रिय छात्रा।''

राहुल पाल
प्रवर श्रेणी लिपिक
(स्थापना अनुभाग)

❋ भगवान पर भरोसा ❋

जाड़े का दिन था और शाम हो गयी थी। आसमान में बादल छाये थे। एक नीम के पेड़ पर बहुत से कौवे बैठे हुए थे। वे सब बार-बार कॉव-कॉव कर रहे थे एवं एक दूसरे से झगड़ भी रहे थे। इसी समय एक छोटी मैना आयी व उसी नीम के पेड़ पर जा बैठी। मैना को देखते ही कई कौवे उस पर टूट पड़े।

बेचारी मैना ने कहा - 'बादल बहुत है, कृपया कर मुझे आज रात यही रहने दो'।

कौवे ने कहा - 'नहीं, यह हमारा पेड़ है। तुम यहाँ से चली जाओ।'

मैना ने कहा - भाई पेड़ तो सब भगवान के है। मैं बहुत छोटी हूँ और तुम्हारी बहन हूँ, इसलिए मुझ पर दया करो और मुझे यहीं रहने दो।'

कौवे ने कहा - हमें तुम्हारी जैसी बहन नहीं चाहिए। तुम बहुत भगवान का नाम लेती हो तो फिर भगवान के भरोसे तुम यहाँ से चली क्यों नहीं जाती?

कौवे तो झगडालू होते हैं। जब वे शाम को घर आते हैं, लड़े बिना उनसे रहा नहीं जाता है। कौवों को झगड़ते देख मैना वहाँ से चली गयी और थोड़ी दूर जाकर आम के पेड़ पर बैठी। रात को आँधी आयी बादल गरजे बड़े-बड़े ओले भी पड़े। कौएं कॉव-कॉव चिल्लाए व ओले की मार से सब नीचे गिर गये।

मैना, जिस आम के पेड़ पर थीं उसकी डाल भीतर से एकदम सड़ गयी थी और गीली हो गयी थी। डाल टूटने पर उसकी जड़ के पास पेड़ में एक खण्डउर हो गया। छोटी मैना उसमें घुस गयी व रात भर सुरक्षित रही। उसे एक ओला भी नहीं लगा।

सुबह हुआ धूप निकली मैना अपना पंख फैलाकर उड़ गयी और भगवान को प्रणाम किया। पृथ्वी पर पड़े कौवे को देखकर वह बोली - कि तुम्हें मेरी सहायता करनी चाहिए थी।

कौओं ने पूछा - तुम कहा थी रात भर। तुम्हे ओले की मार से किसने बचाया?

मैना ने बताया - मैं आम के पेड़ पर बैठकर भगवान से प्रार्थना करती रही और भगवान ने मुझे बचा लिया। आखिर भगवान के अलावा मुझे बचाता ही कौन?

लेकिन उन्होंने सिर्फ मुझे ही नहीं बचाया। जो लोग भगवान के ऊपर विश्वास करते है, उसकी भगवान हमेशा रक्षा करते है।

हमें हर मुसीबत में फँसे व्यक्ति की सहायता करनी चाहिए।

ऋषभ पाल
पुत्र श्री राहुल पाल
प्रवर श्रेणी लिपिक
स्थापना अनुभाग

❋ चुटकुले ❋

हमारे घर में सुबह
गुड मार्निंग
वाला चोंचला नहीं होता।
बस पंखा बंद कर दिया जाता हैं।

पति- सजनी, अपनी जुल्फों को
जरा संवार भी लिया करो।
पत्नी- (शर्माते हुए): आप भी न....
पति- मां कसम, अगर अगली बार
खाने में बाल आ गया तो सजनी से
गजनी बना दूंगा।

सोनम यादव

पत्नी ए. के. यादव
प्रवर श्रेणी लिपिक

❋ ज्ञान बांटना जरुरी है ❋

एक डॉक्टर ने पूछा - ''क्या हुआ होगा उसे?

पहला बोला-आर्थराइटिस होगा।

दूसरा बोला- ना ना मेरे हिसाब से प्लांटर फेसिटिस।

तीसरा बोला- ऐड़ी में दर्द हुआ होगा बेचारे को।

चौथा बोला- अबे सालों जरा ठीक से देखो, वह आदमी एक पैर ठीक से उठा नहीं पा रहा। फुट ड्रॉप जैसा कुछ लगता है।

पांचवा बोला- ''मुझे तो यह हेमिप्लेगिया लग रहा है''।

छठा डॉक्टर कुछ बोलता, तब तक आदमी पास पहुँच चुका था।

उसने बड़ी विनम्रता से पूछा-

''यहां कहीं आसपास मोची की दुकान है क्या? वो क्या है कि मेरी चप्पल का अंगूठा टूट गया है।''

देश के हालात कुछ ऐसे ही हैं

किसी को भी राजनीति या अर्थशास्त्र का ज्ञान हो या न हो,

मगर ज्ञान बांटना जरुरी है।

सोनम यादव

पत्नी ए. के. यादव
प्रवर श्रेणी लिपिक

❋ सुख की चाह ❋

दुनिया में हर कोई व्यक्ति सुख की चाह में दौड़ता रहता है। वह जीवन भर सुखी रहना चाहता है, लेकिन सुख की यह चाह कब पूरी होगी, वह नहीं जानता। मृग मरीचिका की भांति वह बस भटकता ही रहता है।

सुख की चाह ऐसी प्रबल होती है कि वह दुख का कारण बनने लगती हैं। सुख कब दुख में बदल जाता है, उसे पता ही नहीं चलता।

जो सुख के क्षण उसके करीब होते हैं वह उसे भी अनुभव नहीं कर पाता। उसे बड़ी खुशी की लालसा रहती हैं। उसे दीर्घकालिक सुख चाहिए होता है। मनुष्य को यह समझ लेना चाहिए कि उसका वर्तमान ही उसके सुख का कारण बन सकता है।

अगर वह अभी सुख का अनुभव कर रहा है तो निश्चित ही कल भी सब ठीक ही होगा। अगर उसे दुख और विपत्ति को भी हंसते हुए टालने का हुनर आ जाए तो वह दुख के नागपाश में कभी नहीं बंध सकता। फिर वह हर क्षण को सुख से जीने लगेगा। उसे हर परिस्थिति में आनंद की अनुभूति होने लगेगी।

सुख की चाह में दुख की राह का पथिक बनना उचित नहीं है।

हमें लगता है कि भौतिक संसाधन सुख का कारण हैं और उनसे हम सुखी रह पाएंगे। यह सत्य नहीं है। संसाधन की अधिकता ही सुख का कारण हो। यह अंतिम सत्य नहीं है। वास्तविक सुख हमारे हृदय के भीतर छिपा हुआ है। उस सुख की खोज हमें स्वयं करनी होगी। हमें अंतर्मन की ओर झांकना होगा। हमारे ऋषि-मुनियों ने कभी संसाधन नहीं जुटाएं। बडे महल और अट्टालिकाएं नहीं बनाई। वे झोपड़ी में रहकर भी संतुष्ट थे।

उनके सुख का कारण था। जितना हम आवश्कताओं एवं अभिलाषाओं का विस्तार करेंगे उतना ही दुख के निकट होते जाएंगे।

सुखी होने के कई कारण हो सकते हैं। दूसरे को खुश देखकर, दूसरे की उन्नति देखकर, दूसरे की प्रशंसा करके भी सुखी हुआ जा सकता है।

बस हमें सुखी होने और खुश रहने के अवसर खोजते रहने चाहिए।

सोनम यादव

पत्नी ए. के. यादव
प्रवर श्रेणी लिपिक

❋ चुटकुले ❋

(1)

अध्यापक- ताजमहल किसने बनाया?

संता- जी, कारीगर ने!

अध्यापक- मेरा मतलब बनवाया किसने था?

संता- जी, ठेकेदार ने ......!!!

(2)

स्कूल- के पीछे नदी में,

प्रिंसिपल- डूब रहा था एक

छात्र- ने ये देखा तो चिल्लाते हुये स्कूल की तरफ भागे ।

कल- छुट्टी है, कल छुट्टी है...!

(3)

टीचर (बच्चों से)- कोई ऐसा वाक्य सुनाओ जिसमें उर्दू, हिंदी, पंजाबी और अंग्रेजी का प्रयोग होता हो।

चिंटू - इश्क दी गली विच NO Entry! टीचर बेहोश

(4)

टीचर- 4 और 4 कितने होते हैं?

गोलू- 10 होते हैं।

टीचर- 8 होते हैं....

नालायक

गोलू- हम दिलदार घर से हैं....

2 मैंने अपने खुद के भी डाले हैं।

अपर्णा यादव

पुत्री ए. के. यादव
प्रवर श्रेणी लिपिक

❋ किए पर पछतावा ❋

एक थी महिला । उसने एक नेवला पाल रखा था। एक दिन वह अपने छोटे बच्चे को सुलाकर पानी लाने गई और नेवले को बच्चे की रखवाली के लिए छोड़ गई। इतने में एक काला नाग वहाँ आया और बच्चे की ओर बढ़ने लगा। नेवला उस पर झपटा और थोड़ी ही देर में उसने साँप को मार डाला। फिर मालकिन को यह सूचना देने के लिए वह बाहर दरवाजे पर आ गया। मालकिन आई और उसने नेवले के मुँह में खून लगा देखा तो उसने समझा कि नेवले ने बच्चे को मार डाला है। उसने क्रोध में आकर पानी का मटका उस पर पटक दिया जिससे वह वहीं मर गया। अंदर जाकर उसने देखा तो बच्चा सोया हुआ था और पास ही मरा हुआ एक काला नाग पड़ा था। वह सारी बात समझ गई और पछताने लगी।

❋ आज का ज्ञान ❋

पेन खो जाये तो नया ले सकते हो,

मगर उसका ढक्कन खो जाये तो

नया नहीं ले सकते,

इसलिये लाइफ में एक बात हमेशा

याद, रखना मित्रों कि,

पेन हमेशा "टिचुक-टिचुक वाला

ही लेना।

अपर्णा यादव

पुत्री ए. के. यादव
प्रवर श्रेणी लिपिक

❋ शेर और चूहे की दोस्ती ❋

एक शेर अपनी गुफा में सो रहा था। एक चूहा आया और शेर के शरीर पर चढ़कर फुदकने लगा। शेर जाग उठा और उसने चूहे को पकड़ लिया। चूहा रोने लगा। चूहे ने गिड़गिड़ाते हुए शेर से कहा-अगर तुम मुझे छोड़ दोगे तो मैं भी एक दिन तुम्हारे काम आऊँगा। शेर यह सुनकर हँस पड़ा। सोचने लगा कि भला चूहा किस काम आ सकता है। फिर भी, शेर ने चूहे को छोड़ दिया।

कुछ दिनों बाद शिकारियों ने शेर को पकड़ लिया और उसे जाल से बाँध दिया। चूहे ने शेर को दहाड़ते सुना तो वह भागते हुए वहाँ पहुँचा। चूहे ने अपने दाँतों से जाल को काटकर शेर को आजाद कर दिया। इस तरह चूहे ने शेर की जान बचा ली। फिर चूहा और शेर दोस्त बन गए।

अभिनव यादव

पुत्र ए. के. यादव
प्रवर श्रेणी लिपिक

❋ जीवन की राहें ❋

काँटों भरी ये राहें हैं, पर मंजिल भी कुछ खास है।
हर दर्द में छुपा है सपना, हर आँसू में विश्वास है।
चलते रहो तो दूर नहीं है, जो थक गए वो चूर नहीं है।
धूप में जलकर जो चमके, वे ही असली नूर नहीं है।
हार कर भी जो मुस्कुराए, उससे बड़ा कोई वीर नहीं।
टूटे ख्वाबों को जोड़ चलो, क्योंकि सवेरा अब दूर नहीं।

अरुण कुमार

प्रवर श्रेणी लिपिक
(वित्त अनुभाग)

❋ माँ—एक अनकहा एहसास ❋

माँ-यह शब्द सुनते ही मन में एक गहराई से भरा भाव उमड़ आता है।

माँ केवल एक रिश्ता नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि का आधार है।

वह पहली गुरु है, पहली दोस्त है और पहली आश्रयस्थली भी।

माँ वह होती है, जो खुद भूखी रहकर भी अपने बच्चों को खाना खिलाती है।

जब पूरी दुनिया हमें गलत समझती है, तब माँ ही होती है जो बिना कुछ कहे हमारा दर्द समझ जाती है।

उसकी ममता की कोई सीमा नही होती।

वे हर दिन, हर पल, बिना थके, बिना शिकायत, सिर्फ अपने बच्चों की भलाई में लगी रहती है।

माँ का प्यार न दिखावा करता है, न शोर मचाता है।

वो बस हर कोने में चुपचाप मौजूद रहता है-कभी दुआ बनकर, कभी आँचल बनकर, और कभी छाया बनकर।

आज की भागती दुनिया में हम अकसर माँ के उस निस्वार्थ प्रेम को भूल जाते हैं।

हम उसकी उपस्थिति को तब समझते हैं जब वह हमारे पास नहीं होती।

लेकिन सच तो यही है कि माँ कभी दूर नहीं जाती-वो हमेशा हमारे साथ होती है, हमारे दिल, हमारी यादों और हमारी हर कामयाबी की पीछे।

इसलिए, जब भी समय मिले, माँ को एक प्यारी मुस्कान दीजिए, कुछ पल उसके साथ बिताइए, और सबसे जरूरी-उसे यह महसूस कराइए कि आप उससे कितना प्यार करते हैं।

क्योंकि माँ सिर्फ एक दिन का जश्न नहीं, बल्कि हर दिन की भावना है।

अरुण कुमार
प्रवर श्रेणी लिपिक
(वित्त अनुभाग)

❋ नारी हो ❋

तुम नारी हो स्वयं को स्वीकार करों
पंख तुम्हें भी मिले है अब तुम उड़ान भरो
सबसे उम्मीद करती हो पर पहले तुम खुद तो खुद को पहचान लो
कोई समझे न समझे पर तुम खुद को अच्छी तरह से जान लो
सबकी पसंद याद रखने के लिए विख्यात हो जरा अब अपनी पंसद पर भी ध्यान दो
तुम स्त्री हो तो पहले तुम स्त्री को सम्मान दो
तुम मां हो, पत्नी हो, बेटी हो, बहन हो, बहु हो तुम इस दुनिया में सबकी कुछ न कुछ हो
अब तुम खुद से खुद के नाते को एक नाम दो
तुम नारी हो नारी की पहचान बनो स्वयं को स्वीकार करो
हो अगर नारी तुम तो नारी होकर अभिमान करों

❋ राम राम क्यों कहा जाता है? ❋

''राम-राम'' क्यों कहा जाता है?

क्या कभी सोचा है कि बहुत से लोग जब एक दूसरे से मिलते है तो आपस में एक दूसरे को दो बार ही ''राम-राम'' क्यों बोलते है?

एक या तीन बार क्यों नहीं बोलते?

दो बार ''राम-राम'' बोलने के पीछे बडा गूढ रहस्य है क्योंकि यह आदिकाल से ही चला आ रहा है-

हिन्दी की शब्दावली में 'र' सत्ताइसवां शब्द है, 'आ' की मात्रा दूसरा और 'म' पच्चीसवां शब्द है-

अब तीनों अंकों का योग करें तो

27 + 2 + 25 = 54,

अर्थात् एक राम का योग 54 हुआ-

इसी प्रकार दो ''राम-राम'' का कुल योग 108 होगा।

हम जब कोई जाप करते हैं तो 108 मनके की माला गिनकर करते हैं।

सिर्फ ''राम-राम'' कह देने से ही पूरी माला का जाप हो जाता है। आप सभी को राम-राम जी।

इन्द्रा
प्रवर श्रेणी लिपिक
(सामान्य अनुभाग)

❋ पेन्शन प्रक्रिया हेतु आवश्यक सुझाव ❋

नियम FR-56 के तहत सरकारी सेवा में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारी 60 वर्ष की आयु जिस माह में पूर्ण करेंगे उस माह की अन्तिम तिथि को अपनी सेवा से सेवानिवृत्त होंगे। सेवानिवृत्ति के पश्चात कर्मचारी को सरकार द्वारा पेन्शन (सीसीएस पेन्शन नियम 1972/एन पी एस), ग्रेजुअटी, कम्यूटेशन पेन्शन, अवकाश नगदीकरण, CGEGIS बीमा आदि का भुगतान किये जाने का प्राविधान होता है।

सर्वविदित है कि भारत सरकार द्वारा रक्षामंत्रालय के अन्तर्गत असैन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों एवं सैन्य बलों (आर्मी/नेवी/एयर फोर्स) के लिये आनलाइन पेन्शन प्रणाली पोर्टल SPRSH-SYSTEM FOR PENSION DMINISTRTION (RKSHA) जारी किया गया है। जो पेन्शन प्रक्रिया को तीव्र एवं सुगम बनाने के साथ ही आनलाइन प्रक्रिया के कारण किसी भी प्रकार की त्रुटि की आशंका को भी नगण्य करता है। अतः पेन्शन प्रक्रिया की सुगमता के लिये सभी कर्मचारियों को कुछ विशेष बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए कार्यवाही करना अति आवश्यक है, जो निम्नलिखित है -

1. पारिवारिक विवरण प्रपत्र (फार्म-3) पूर्णतः भरकर सेवा पंजिका में दर्ज करायें। साथ ही किसी भी बदलाव की स्थिति में तत्काल कार्यालय को लिखित रूप में सूचित करें।
2. सेवा पंजिका में स्थायी एवं अस्थायी निवास अवश्य अपडेट करायें।
3. पारिवारिक पेन्शन हेतु नामांकन प्रपत्र (फार्म-4) अवश्य अपडेट कर सेवा पंजिका में दर्ज करायें।
4. एन पी एस / यू पी एस के अन्तर्गत आने वाले कर्मचारियों द्वारा यह अवश्य सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि उनके द्वारा विकल्प प्रपत्र (फार्म-1 व 2) भर कर कार्यालय द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर सेवा रिकार्ड में दर्ज किया गया है।
5. मृत्यु सह सेवानिवृत्ति उपादान (DCRG) प्रपत्र (फार्म-2) अपडेट कर सेवा पंजिका में दर्ज करायें। साथ ही DCRG फार्म में वैकल्पिक नामिनी का ब्यौरा अवश्य दें।
6. कर्मचारी के सेवा रिकार्ड में स्वयं के साथ-साथ पत्नी एवं आश्रितों के नाम की स्पेलिंग एवं जन्मतिथि, उनके आधार एवं पैन कार्ड में दर्ज नाम की स्पेलिंग एवं जन्मतिथि एक समान होना अति आवश्यक है।

7. कर्मचारी द्वारा वेतन/पेन्शन हेतु कार्यालय में दर्ज बैंक खाता पत्नी अथवा आश्रित के साथ ज्वांइट होना चाहिये। जिसमें प्राईमरी खाता धारक कर्मचारी स्वयं होगा।

8. सेवा पंजिका के प्रथम पृष्ठ पर कर्मचारी एवं उनके आश्रितों का फैमिली फोटो चस्पा होना चाहिये।

9. पेन्शन प्रक्रिया हेतु अनिवार्य रूप से देय मोबाइल नम्बर कर्मचारी के आधार कार्ड से लिंक होना आवश्यक है।

10. कर्मचारी को अपने सेवा के दौरान के सभी बकाया/देय मामले तत्काल निस्तारित कर लिये जाने चाहिये।

11. कर्मचारी द्वारा सेवाकाल के दौरान लिये गये सभी अवकाश समय पर नियमितीकरण कराकर सेवानिवृत्त के समय अधिकतर 300 दिनों के अर्जित अवकाश के नगदीकरण को सुनिश्चित किया जाना चाहिये।

12. समय-समय पर उचित प्राधिकारी की अनुमति से सेवापंजिका का अवलोकन कर, किसी भी विसंगति की स्थिति में तत्काल सम्बन्धित अनुभाग को सूचित किया जाना चाहिये।

उपरोक्त बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुये कर्मचारी की पेन्शन प्रक्रिया में आने वाली समस्याओं का कम किया जा सकता है। साथ ही वर्तमान परिवेश में बढ़ते हुये साईबर अपराध के दृष्टिगत सेवानिवृति के पश्चात् सतर्क एवं सजग रहने की भी आवश्यकता है। जिसके लिये अति आवश्यक रूप से कर्मचारियों को मोबाइल ओटीपी, एटीएम एवं बैंक विवरण किसी भी अंजान व्यक्ति से शेयर नहीं करना चाहिये। साथ ही किसी भी प्रकार के निवेश के सम्बन्ध में उचित माध्यम से सलाह एवं विमर्श के बाद ही निर्णय लिया जाना चाहिये।

शिवेन्द्र वर्मा
प्रवर श्रेणी लिपिक
स्थापना अनुभाग

❋ पति एवं पत्नी के लिये ❋

अपनी गृहस्थी को कुछ इस तरह बचा लिया करो
कभी आँखे दिखा दी कभी सर झुका लिया करो।
आपसी नाराजगी को लम्बा चलने न दिया करो
वो न भी हँसें तो तुम मुस्कुरा दिया करो।
रुठ कर बैठे रहने से घर भला कहाँ चलता है
कभी उन्होने गुदगुदा दिया कभी तुम मना लिया करो।
खाने पीने पे विवाद कभी होने न दिया करो
कभी गरम खा लिया कभी बासी से काम चला लिया करो
मिँया हो या बीवी महत्व में कोई भी कम नही
कभी खुद डॉन बन गये तो भी उन्हें बॉस बना दिया करो
अपनी गृहस्थी को कुछ इस तरह बचा लिया करो।

पदम कुमार
एम सी एम/10495
क्यू ए (पी एण्ड सी)

❋ पर्यावरण–हमारा जीवन ❋

1. पृथ्वी के चारों ओर फैले आवरण को ही पर्यावरण कहते है।
2. धरती पर जीवन जीने के लिए पर्यावरण प्रकृति का उपहार है।
3. पर्यावरण के अन्तर्गत हवा, पानी, पेड़-पौधे इत्यादि आते हैं।
4. सजीव प्राणी के जीवन के लिए आवश्यक सभी तत्व पर्यावरण से ही आते है।
5. प्राकृतिक व कृत्रिम आपदा से दिन प्रतिदिन पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है।
6. पर्यावरण के अभाव में जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती।
7. भविष्य में जीवन को बचाये रखने के लिए पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित करना होगा।
8. वृक्षारोपण करना पर्यावरण प्रदूषण की रोकथाम के कारगर उपाय हैं।
9. यह पृथ्वी पर रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है।
10. 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।

मनोज कुमार श्रीवास्तव
एम.सी.एम/10523
गु. आ. (योजना एवं समन्वय)

अब तो मचा है हाहाकार

अब तो मचा है हाहाकार,
वृक्ष बिना बुरा हुआ है हाल ।
मानव ने यह किया कमाल,
खुद को पाएं नहीं सम्हाल।
कैसे-कैसे अब किए हैं खेल?,
हाल बुरा है पेलम-पेल।

गर्मी ने किया बुरा है हाल,
आज ग्लोबल हुआ है लाल।
ग्लेशियर पिघले हालम-हाल,
खुद को पाया नहीं सम्हाल।
नदियों में इसने फेंका है जाल,
हर घर में आया है काल।

उमड़ी, उफनी और लाई बाढ़,
धरती लगी अब आँखें काढ़।
ओज़ोन परत भी हुई अब छीर्ण अब,
पराबैंगनी हुई है प्रकीर्ण।
प्रदूषण ने सबको किया है क्षीण,
शरीर हो चुका अब सबका जीर्ण।
वृक्ष कटाई से हालात हुए खराब,
इन सबका देगा कौन जवाब।

संजय कुमार
एम.सी.एम./10529
IP(A)

स्वस्थ जीवन की कला

सुबह सूरज निकलने से ढाई घण्टे तक यानि 09:30 बजे तक, ज्यादा से ज्यादा 10:00 बजे तक आपका भरपेट भोजन हो जाना चाहिए। यह तभी सम्भव होगा जब आप नाश्ता बंद करेंगे। यह नाश्ता का प्रचलन हिन्दुस्तानी नहीं है, यह अंग्रेजों की देन है और रात्रि का भोजन सूर्य अस्त होने से आधा घण्टा पहले तक कर लें। तभी बीमारियों से बचेंगे। सुबह सूर्य निकलने से ढाई घण्टे तक हमारी जठराग्नि बहुत तीव्र होती है। हमारी जठराग्नि का सम्बन्ध सूर्य से है। हमारी जठराग्नि सबसे अधिक तीव्र स्नान के बाद होती है। स्नान के बाद पित्त बढ़ता है, इसलिए सुबह स्नान करके भोजन कर लें तथा एक भोजन से दूसरे भोजन के बीच 04 से 08 घण्टे का अंतराल रखें बीच में कुछ न खाएँ और दिन डूबने के बाद तो बिलकुल नहीं।

चूंकि उपर्युक्त दिनचर्या पक्षियों और जंगली जानवरों में समाहित है, अतः वे अमूनन बीमार नहीं होते।

अवनीश कुमार सिंह
एम.सी.एम टि सं-10523

❋ मेहनत ❋

पछतावा किसको होता है, ईमानदार आदमी को होता है जिसने मेहनत की हो, जिसने दिन-रात एक किया हो, अपने काम में उसको पछतावा होता है रिजल्ट ना मिलने के बाद लोग कहते हैं रो मत, कैसे ना रोए भाई अगर किसी ने मेहनत की है अगर किसी ने जान लगाई है, भैया, अगर उसको रिजल्ट नहीं मिलेगा वो रात में रोएगा, रात भर रोएगा, हां ये जरूर है सुबह होने से पहले आँख के आँसू पोछेगा और फिर से वो बोलेगा मैं झुकुंगा नहीं।

कड़वा सच

1. योजना जितनी गुप्त रहेगी
   सफलता उत्नी उच्च रहेगी।

2. कौन किसका कितना अपना हैं,
   वो जिक्र से नहीं फिक्र से पता चलता है।

गौरव कुमार
पुत्र श्री राकेश कुमार
तक (एच.एस.-1)

❋ अभिप्रेरण विचार ❋

ताकत आवाज में नहीं अपने विचारों में रखो,
क्योकि फसल बारिश से होती है, बाद से नही।
अगर आप किसी का अपमान कर रहे हैं
तो वास्तव में आप अपना सम्मन खो रहे हैं।
मंजिल पे जिन्हें जाना है,
तुफानों से डरा नहीं करते।
तुफानों से जो डरे,
मंजिल कभी पाया नहीं करते।
अच्छा काम करते रहो कोई सम्मान करे या न करे,
सूर्योदय तब भी होता है जब करोडों लोग सोये होते है।

दिव्या कुमारी
पुत्री श्री राकेश कुमार
तक (एच.एस.-1)

❋ अभिप्रेरण विचार ❋

जीत और हार आपकी सोच पर निर्भर करती है,
मान लो तो हार है और ठान लो तो जीत है।
सपने वो नहीं जो हम, सोते वक्त देखते हैं,
सपने वो होते है, जो सोने नहीं देते।
उम्र थक नहीं सकती, ठोकरें गिरा नहीं सकती,
अगर जिद हो जीतने की तो हार भी हरा नहीं सकती।
कोई भी लक्ष्य इंसान के साहस से बड़ा नहीं,
हरा वही जो लक्ष्य के लिए लड़ा नहीं।
राह संघर्ष की जो चलता है, वो ही संसार को बदलता है,
जिसने रातों से है जीती जंग, सुबह सूर्य बनकर वही चमकता है।

शव्या कुमारी
पुत्री श्री राकेश कुमार
तक (एच.एस.-1)

❋ गुरू और शिष्य ❋

एक गुरू अपने शिष्य के साथ जा रहे थे कुछ देर के बाद तेज बारिश होने लगी और नदी में पानी बढ़ गया, लौटने का रास्ता एक ही था जो सकरा सा पुल था। उस पर से पानी बह रहा था। गुरू ने शिष्य से कहा मेरा हाथ पकड़ो हम पार कर लेंगे पर शिष्य ने हाथ नहीं पकड़ा गुरूजी बार-बार कहने से शिष्य नहीं माना तो, गुरू ने हाथ पकड़ा औरा खींचकर नदी के पार ले आए फिर गुरूजी ने बोला में इतनी देर से बोल रहा हूँ मेरा हाथ पकड़ो तुमने क्यों नहीं हाथ पकड़ा? इस शिष्य ने बहुत ही प्यारा जवाब दिया। मैं बहुत ही कमजोर और दुर्बल हूँ, मुझे खुद पर भरोसा नहीं था अगर मैं हाथ पकड़ता तो हाथ छोड़ भी सकता था लेकिन मुझे आप पर भूरा भरोसा था कि यदि आपने हाथ पकड़ा तो नहीं छोड़ेगे इसलिए मैंने आपका हाथ नहीं पकड़ा था।

शव्या कुमारी
पुत्री श्री राकेश कुमार

❋ इंसान ❋

सफर मे लोग आते रहे लोग जाते रहे
आदमी ही आदमी को सताते रहे।
पंछी निकले थे घोसलों से अभी
लोग उनको ही शिकार बनाते रहे।
लूट के खा गए देश को भेड़िये (इंसान)
हम अपनों को ही आजमाते रहे।
लाश गिरती रही सड़कों पे मगर
हम जश्न अपने घर में मानते रहे।
उम्र है जब बच्चो के खेलने की
उनको हाथो में तमंचे थमाते रहे।
भाई-भाई को नहीं देखता है इधर
पहले जो गले से गले मिलते रहे।
हाथ थाम के जिसको भी सहारा दिया
आज उसे ही भलाई हम गिनाते रहे।
बूढ़े माँ-बाप का दुख किसने देखा भला
लोग खुद में मदमस्त जीते जा रहे।
है नाजुक बहुत मेरे हालत, जो अब
मेरे अपने भी मुझे छोड़ के जाते रहे।
बच्चे रोते रहे घर में रात भर भूख से
दूध-घी लोग पत्थरो पे चढ़ाते रहे।
लुटती रही बेटियाँ जलती रही बस्तियाँ
आंख पे बांध पट्टी हम मुँह छुपाते रहे।
जिंदगी ने दिये बहुत से रिश्ते हमें
कुछ हसते रहे तो कुछ रुलाते रहे।
कुछ हसते रहे तो कुछ रुलाते रहे।
कोई मंदिर गया कोई मस्जिद गया
हम माँ के कदमों में सर झुकाते रहे।

शशी कान्त वर्मा
टेक-एस के / 10563
क्यू ए(डब्लू)/एफ जी के

❋ कविता: आज और बचपन ❋

कल हम भी बारिश में छपाके लगाया करते थे।
आज इसी बारिश में कीटाणु देखना सीख गये॥
कल बेफिक्र थे कि माँ क्या कहेगी।
आज बारिश से मोबाइल बचाना सीख गये॥
कल दुआ करते थे कि बरसे बेहिसाब तो छुट्टी हो जाए।
अब डरते है की रुके ए बारिश कहीं दफ्तर न छूट जाए॥
किसने कहा कि नहीं आती वो बचपन वाली बारिश।
हम खुद अब कागज की नाव बनाना भूल गये॥
बारिश तो अब भी बारिश ही है।
बस हम अपना जमाना भूल गये॥

प्रदीप कुमार
तक(कुशल)/10552
अनुभाग: गु.आ. (यो. एवं सम.)

❋ कुछ करना है ❋

कुछ करना है, डटकर चल।
थोडा दुनियाँ से हट कर चल।
लीक पर तो सभी चल लेते हैं।
कभी इतिहास को पलटकर चल।
बिना काम के मुकाम कैसा।
बिना मेंहनत के दाम कैसा।
जब तक ना हासिल हो मंजिल।
तब तक ना हासिल हो मंजिल।
तक तक राह में आराम कैसा ?
अर्जुन सा, निशाना रख।
मन में ना, कोई बहाना रख।
लक्ष्य सामने है, बस उसी पे अपना ठिकाना रख।
सोच मत, साकार कर।
अपने कर्मो से प्यार कर।
मिलेगा तेरी मेहनत का फल।
किसी और का ना इन्तजार कर।
जो चले थे अकेले उनके पीछे आज मेले हैं।
जो करते रहे इन्तजार उनकी जिंदगी में आज भी झमेले हैं।

अर्चना वर्मा
पत्नी शशीकान्त वर्मा,
टेक-एस के /10563
उम्र-33 साल

❋ रक्षाबंधन ❋

आया रक्षाबंधन का त्योहार।
सुबह सुबह होकर तैयार।
सजी धजी है दोनों बहने।
नए नए कपडे है पहने।
लेकर थाली और मिठाई।
जिसमे राखी और मिठाई।
जाती है भईया के पास।
मन में प्यार भरी है आस।
भाईया को राखी बंधवाकर।
भईया देते है बदले में उपहार।

अनन्या वर्मा
पुत्री शशीकान्त वर्मा,
टेक-एस के /10563
कक्षा-प्रथम
उम्र-पांच साल

❋ बेटियाँ ❋

चिड़िया होती हैं। बेटियाँ
मगर पर नहीं होते बेटियों के
मायके भी होते है। ससुराल भी होते है।
मगर घर नहीं होते बेटियों के।
मायका कहता है बेटी तू पराई है।
ससुराल कहता है तू पराये घर से आई है।
ए खुदा तू ही ये बता।
आखिर ये बेटियाँ किस घर के लिए बनाई है।

सिद्धी वर्मा
पुत्री शशीकान्त वर्मा,
टेक-एस के /10563
कक्षा-पांच
उम्र-10 साल

❋ अल्ट्रासोनिक टेस्टिंग लेवल–१ एवं ❋ लेवल–२ पर तकनीकी लेख

1. परिचय

अल्ट्रासोनिक टेस्टिंग (UT) एक नॉन डिस्ट्रक्टिव टेस्टिंग (NDT) तकनीक है जिसमें उच्च-आवृत्ति वाली ध्वनि तरंगों (आमतौर पर 0.5 MHz से 25 MHz तक) का उपयोग करके किसी सामग्री के भीतर मौजूद दोष (जैसे दरार, खोखलापन, छिद्रता) का पता लगाया जाता है, मोटाई मापी जाती है और संरचना की गुणवत्ता का आकलन किया जाता है।

UT लेवल-1 प्रमाणित व्यक्ति का कार्य मुख्य रूप से उपकरण चलाना और पहले से बनी हुई परीक्षण प्रक्रिया के अनुसार टेस्ट करना होता है। वह निरीक्षण के परिणामों की व्याख्या नहीं करता, बल्कि डेटा संग्रह कर लेवल-II या लेवल-III को रिपोर्ट करता है।

UT लेवल-II प्रमाणित व्यक्ति न केवल परीक्षण कर सकता है बल्कि परीक्षण योजना बना सकता है, उपकरण सेटअप कर सकता है परिणामों की व्याख्या कर सकता है, और गुणवत्ता मानकों के अनुसार निर्णय ले सकता है।

2. कार्य सिद्धांत

UT का आधार साउंड वेव रिफ्लेक्शन और ट्रांसमिशन पर है ट्रांसडयूसर विद्युत सिगनल को अल्ट्रासोनिक तरंगो में बदलता है। ये तरंगे सामग्री के भीतर प्रवेश करती है। किसी दोष या इंटरफेस से टकराने पर ये तरंगे परावर्तित होकर वापस आती हैं। रिसीवर इन तरंगों को पकड़कर उन्हें A–स्कैन, B–स्कैन, C–स्कैन जैसे डिस्प्ले में दिखाता है। लौटने वाले सिगनल के समय और आयाम से दोष की गहराई और आकार का पता लगाया जाता है।

3. अल्ट्रासोनिक टेस्टिंग करते समय किये जाने वाले प्रमुख कार्य / जिम्मेदारियाँ

लेवल-II पेशेवर, लेवल-I की तुलना में अधिक जटिल और निर्णायक कार्य करता है,

(a) प्रक्रिया चयन - किस प्रकार की अल्ट्रासोनिक तकनीक Straight Beam, Angle Beam, Phased Array, TOFD का उपयोग करना है, यह तय करना।

(b) उपकरण की तैयारी - सही फ्रीक्वेंसी और आकार का ट्रांसडयूसर, कपलेंट का चयन और कैलिब्रेशन ब्लॉक का उपयोग।

(c) कैलिब्रेशन – रिफरेन्स ब्लाक (IIW, V1, V2 आदि) पर कैलिब्रेशन करना।

(d) परीक्षण – निर्धारित मानक (ASME, ISO, AWS आदि) के अनुसार सामग्री या वेल्ड की जाँच।

(e) डेटा विश्लेषण – डिफेक्ट सिगनल और बैक बॉल सिगनल की तुलना कर दोष की गहराई व लम्बाई निकालना।

(f) निर्णय लेना – दोष स्वीकार्य है या अस्वीकार्य, यह मानक के अनुसार तय करना।

(g) रिपोर्ट तैयार करना – परिणामों को स्पष्ट, दस्तावेजीकृत और ट्रेस करने योग्य रूप में रिकॉर्ड करना।

4. आवश्यक तकनीकी ज्ञान

UT करते समय निम्नलिखित तकनीकी समझ आवश्यक है

तरंग के प्रकार – Longitudinal; Shear और Surface waves। ध्वनि तरंग का व्यवहार – परावर्तन, अपवर्तन, डिफ्रेक्शन, एटेन्यूएशन। मटेरियल की ध्वनिक विशेषताएँ – ध्वनि की गति, घनत्व, ग्रेन साइज। दोष पहचान – क्रैक, लैमिनेशन, पिटिंग, इंक्लूजन आदि। डिस्प्ले मोड्स – A-स्कैन (सिगनल एम्प्लीटयूड व समय), B-स्कैन (क्रॉस सेक्शन व्यू) C-स्कैन (प्लान व्यू)।

6. उपयोग के प्रमुख क्षेत्र

UT की मांग निम्न क्षेत्रों में अधिक है –

(a) एयरोस्पेस – विमान के पंख, फ्यूजलाज और इंजन पार्ट्स की जाँच।

(b) तेल और गैस – पाइपलाइन वेल्ड, प्रेशर वेसल और टैंक की जाँच।

(c) पावर सेक्टर – टरबाइन ब्लेड, बॉयलर ट्यूब और हीट एक्सचेंजर।

(d) रेलवे व ऑटोमोबाइल – एक्सल, व्हील और क्रिटिकल कंपोनेट्स।

(e) मैन्यूफैक्चरिंग – स्टील प्लेट, कास्टिंग और फोजिंग का क्वालिटी कंट्रोल।

7. UT दक्षता के लाभ

(a) उच्च सटीकता – छोटे से छोटे दोष की पहचान।

(b) मोटाई मापने की दक्षता – बिना कोटिंग हटाए भी सम्भव।

(c) रियल टाइम रिजल्ट – तुरंत निर्णय लेने में सहायता।

(d) डिजिटल रिकॉर्ड – डेटा को सेव और ट्रेस करने की सुविधा।

8. सीमाएँ

(a) सतह साफ और समतल होनी चाहिए।

(b) जटिल आकार के लिए सेटअप मुश्किल हो सकता है।

(c) परिणाम ऑपरेटर के अनुभव पर निर्भर।

(d) बहुत मोटी या बहुत महीन अनाज वाली सामग्री में ध्वनि क्षीणन अधिक हो सकता है।

9. निष्कर्ष

UT किसी भी उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उद्योग में गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाता है। भविष्य में, तेल गैस, ऊर्जा, एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्रों में UT की मांग लगातार बढ़ती रहेगी।

कुनाल कुमार सैनी
तकनीशियन (कुशल) / 10566
गु.आ. (धातु)

❋ बचपन ❋

बचपन की वो मायूमियत,
वो निश्छल हंसी, वो खेल,
जीवन की वो सबसे खूबसूरत,
और अनमोल धरोहर है।
बचपन में ही हम सीखते है,
जीवन के सारे रंग,
हँसना, रोना, खेलना, पढ़ना,
और जीने का असली ढंग।
बचपन की वो यादें,
जो कभी नहीं भूलती,
वो स्कूल की डायरी,
वो दोस्तों की टॉफी।
बचपन की वो मासूयिमत,
वो निश्छल हंसी, वो खेल,
जीवन की वो सबसे खूबसूरत,
और अनमोल धरोहर है।

शान्तनु कुमार श्रीवास्तव
तक(कुशल) / 10562

❋ पुस्तकें ❋

पुस्तक मेरी रंग बिरंगी,
सबके मन को भाती है,
है सबका यह ज्ञान कराती,
अच्छी-अच्छी बातें सिखलाती॥

अद्रिका श्रीवास्तव
पुत्री शान्तनु कुमार श्रीवास्तव

* अज्जवल भविष्य का अरूणोदय *

है यह सत्य अटल, यह दुनिया बदलेगी,
आज नहीं तो कल यह दुनिया बदलेगी।
बदलेगी, निश्चय ही दुनिया बदलेगी।
होंगे तब भी धरती और आकाश यहीं,
अग्नि, वायु, जल का होगा आभास यहीं,
सूरज चाँद सितारे ऐसे ही होंगे
दृश्य प्रकृति के सारे ऐसे ही होंगे,
केवल दृष्टि बदल जाएगी मानव की,
मन होगा निर्मल यह दुनिया बदलेगी
उन्नति नहीं रूकेगी अविष्कारों की,
रूक जाएगी किन्तु होड़ हथियारों की,
वैज्ञानिक जन सृजन-सहायक ही होंगे,
साधन फिर सच्चे सुखदायक ही होंगे,
होगा युग निर्माण रूकेगा, युद्धों का
भीषण दावानल, यह दुनिया बदलेगी।
नहीं स्वयं को फिर शरीर हम समझेंगे,
सत्यसाधक को शूरवीर हम समझेंगे,
आत्मा का आनंद अमर हम जानेंगे,
हम है कौन? स्वयं को हम पहचानेंगे,
होगी मूर्च्छा दूर सगर संतानों की
पाकर गंगाजल यह दुनिया बदलेगी।
संघबद्ध सब नेक सदाचारी होंगें,
सज्जन-संत नेक सदाचारी होंगे,
दृष्ट दुराचारी में शक्ति नहीं होंगी,
कर्म करेंगे सब, आसक्ति नहीं होंगी
सदाचार सम्मनित होगा धरती पर,
होगा जनमंगल, यह दुनिया बदलेगी।

जरा सोच लें अब हमको क्या करना है,
पाना है अमरत्व कि, पल-पल मरना है।
ऐसा जीवन जिएँ कि अपराजेय बनें,
पीडित मानवता के हित पाथय बने,
वर्तमान में प्रभु के सहयोगी हों फिर
है भाविष्य उज्जवल यह दुनिया बदलेगी।

अवधेश कुमार
तक(एस.के.)/10553
अनुभागः क्यूएडब्लू/ए.फजीके

देव संस्कृति के चार आधार

गौ, गंगा, गीता, गायत्री, अति पावन ये चार हैं,
सद्गुरू होते सुरसंस्कृति के पावनतम आधार है।
गौ, गंगा है पुण्यदायिनी, गीता कर्म सिखाती है,
गायत्री मानवीय बुद्धि को सतपथ पर ले आती है
गुरू की कृपा प्राप्ति से होते शुभ आचार विचार हैं।
सद्गुरू होते सुरसंस्कृति के पावनतम आधार है।
गुरू से जुड़कर संस्कारों का जन्म ह्रदय में होता है,
सुरसंस्कृति के लिए मनुज मन में सदभाव संजोता है।
रंग-रंग से बहने लगती फिर पावन करूणा चार है।
सद्गुरू होते सुरसंस्कृति के पावनतम आधार है।
सदगुरू परमेश्वर को पाने का पथ हमें दिखाते हैं,
कदम-कदम पर करते रहते वह हम पर उपकार है।
सद्गुरू होते सुरसंस्कृत के पावनतम आधार है।
अपने संचीत तप का सद्गुरू अंश शिष्य को देते हैं,
श्रेष्ठ आचरण वाले होते उनके बहुत चहेते हैं।
बसुंधरा लगती फिर उनको अपना ही परिवार है।
सद्गुरू होते सुरसंस्कृति के पावतम आधार है।
गुरू के सच्चे शिष्य पात्रता अपनी सतत बढ़ाते हैं,
जितना ऊँचा काम उच्च वे उतने ही हो जाते हैं।
अपने लिए कठोर अन्य, को रहते बहुत उदार है,
सद्गुरू होते सुरसंस्कृति के पावनतम आधार है।

अवधेश कुमार
तक(एस.के.)/10553
अनुभाग: क्यूएडब्लू/ए.फजीके

* वीरों के बलिदानों से *

वीर सपुतों की गाथा, सारा भारत ही गाता है।
देख के इनका जज्बा दुश्मन भी थर-थर थर्राता है।
करते है रक्षा ये हमारी आतंकी शैतानों से।
भरा पड़ा इतिहास हमारा, वीरों के बलिदानों से।
मिलती है वर्दी जिनकों, वो किस्मत वाले होते हैं।
उनके होने से ही हम, रातों में चैन से सोते हैं।
रहे सलामत वीर हमारे, निकले दुआ जुबानों से।
भरा पड़ा इतिहास, वीरों के बलिदानों से।
शत्रु सीमा लांघ ना जाए, खड़े रहें वीर हमारे चट्टानों से।
देश भक्ति क्या होती है, पूछो तुम वीर जवानो से।
भरा पड़ा इतिहास हमारा, वीरों के बलिदानों से।

कुन्दन कुमार
तक(एस.के.)/10554
अनुभाग: क्यूएडब्लू/एफ.जीके

* एकता *

एक पत्थर लीजिए और उस पत्थर से किसी जानवर कुत्ते या बिल्ली को मारिये आप देखगें कि वह जानवर डर कर भाग जाएगा। अब वही पत्थर फिर लीजिए और एक मधुमक्खी के छत्ते पर मारिए। और देखिए मधुमक्खी आपका कैसे स्वागत करती है।

पत्थर वही है मारने वाले भी आप ही हैं। जानवर भाग गया, क्योंकि वह अकेला था। और मधुमक्खियां हावी हो गई क्योंकि वो समूह में थी।

हमारी सामाजिक ताकत सिर्फ एकता में ही है। यदि संभव हो, तो समूह में रहिए। एक दूसरे के हित के सहभागी बनिए।

ओम प्रकाश कुमार
तक(एस.के.)/10558
अनुभाग: ए.फजी.के (एस-1)

स्वास्थ्य ही धन है

भीड़ भरी इस दुनिया में,
सब पैसे के पीछे भाग रहे हैं।
सेहत का ना कोई रखता ध्यान,
पैसे को ही सब भगवान मान रहे हैं।

जब ठीक नहीं रहेगा स्वास्थ्य हमारा,
तो पैसे का हम क्या करेंगे।
नित्य सुबह उठना है हम को,
थोड़ी दौड़ लगानी है सब को।
कर लो थोड़ा योग अभ्यास,
बीमारियों को दूर भगाना है, हम को।

स्वास्थ्य भोजन को अपना लो,
जंक फूड से दूर तुम भागो।
फल सब्जियाँ का लो तुम आहार,
स्वथ्य जीवन शैली को तुम अपना लो,
चिंता को दूर भगाओ जीवन का लो
भरपूर आनंद, रहो रोगों से हर कदम दूर।

स्वास्थ्य को ही असली धन मानों तुम,
चाहे जीवन जीना पड़े सादा भोजन खाकर।

विनीता कुमारी
पत्नी ओम प्रकाश कुमार
तक (एस.के.)/10558
एफ.जी.के.जी.एस.आई.

❋ प्रौद्योगिकी और गैजेट्स ❋

प्रौद्योगिकी का अर्थ – यह विज्ञान, इंजीनियरिंग और रोजाना की जिंदगी में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सरल शब्दों में यह चीजों को बेहतर तरीके से करने में सहायता करती है। क्या आपने कभी सोचा है कि प्रौद्योगिकी के बिना आपका जीवन कैसा होगा नहीं तो, इस बारे में आप को जरूर सोचना चाहिये, मोबाइल से लेकर सेटेलाइट तक, कम्प्यूटर से लेकर सुपर कम्प्यूटर तक, दोस्तों से लेकर बॉस तक, और जन्म से लेकर मृत्यु तक हर जगह प्रौद्योगिकी हमारे जीवन को हर क्षण से जोड़ने में अहम भूमिका निभाती है। और हमारे काम को आसान बनाती है, प्रौद्योगिकी ने संचार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और परिवहन जैसे क्षेत्रों में क्रांति ला दी है इसने सुविधा और क्षमता को बढ़ाया है तथा जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया है चाहे वह आई टी शिक्षा, चिकित्सा, संचार, अंतरिक्ष आदि किसी के बारे में भी हो, आसानी से पता लगा सकती है।

प्रौद्योगिकी के कुछ मुख्य पहलू :-

1. ज्ञान का अनुप्रयोग : प्रौद्योगिकी, वैज्ञानिक सिद्धांतों और ज्ञान का उपयोग मानव जीवन और पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिये उपकरणों, तकनीकों और विधियों का विकास करती है।
2. उत्पादकता में वृद्धि : प्रौद्योगिकी काम को आसान और तेज बनाकर उत्पादकता में सुधार करती है।
3. संचार में सुधार : प्रौद्योगिकी संचार को आसान और तेज़ बनाती है। जिससे दुनियाभर के लोगों को जोड़ा जा सकता है।
4. जीवन को आसान बनाना : प्रौद्योगिकी विभिन्न कार्यो को स्वचालित करके और नई सेवाएं प्रदान करके जीवन को आसान और अधिक आराम दायक बनाती है।
5. स्मार्टफोन : स्मार्टफोन संचार, मनोरंजन और सूचना प्राप्त करने के लिये एक लोकप्रिय गैजेट है।
6. लैपटॉप : लैपटॉप कम्प्यूटर काम करने, अध्ययन करने, और मनोरंजन के लिये एक बहुमुखी उपकरण है।
7. गैजेट्स का अर्थ : गैजेट्स, छोटे और उपयोगी उपकरण होते है। जो किसी विशेष कार्य को करने के लिये डिजाइन किये गये होते है। वे उपकरण प्रौद्योगिकी का हिस्सा है।

8. स्मार्टवॉच : स्मार्टवॉच कलाई पर पहने वाले वाला उपकरण है। जो स्वास्थ्य और फिटनेस ट्रैकिंग, सूचना प्राप्त करने और संचार के लिये उपयोग किये जाते है।

9. स्मार्ट टी.वी. : स्मार्ट टी.वी. इंटरनेट से जुड़े होते है। और विभिन्न प्रकार की सामग्री देखने के लिये उपयोग किये जाते है।

हमारे जीवन में गैजेट्स का प्रभाव :

इस तेजी से भागती दुनिया में गैजेट्स और इलेक्ट्रानिक डिवाइस अहम भूमिका निभाते हैं। विज्ञान और तकनीक की मदद से इस दुनिया में कुछ भी संभव है। इसलिये बिना चेतना के हम दैनिक जीवन में विभिन्न गैजेट्स का उपयोग करते है। नतीजतन हम लगभग उन पर निर्भर हो जाते है।

शोध के अनुसार 29 प्रतिशत बच्चे आधुनिक गैजेट्स कुशलतापूर्वक उपयोग करते हैं। बच्चों के द्वारा गैजेंट के निरंतर उपयोग से कई प्रतिकूल प्रभाव पड़ते है। जैसे - ध्यान की कमी, सीखने में कठिनाई, चिंता इत्यादि।

शीला

टेक.एस.के.
आई.पी.मेट

❋ बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ❋

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेड़कर एक भारतीय न्यायविद् अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक भी थे। उनका जन्म 14 अप्रैल 1891 को महू मध्यप्रदेश में हुआ था। डॉ अम्बेडकर का लंबी बीमारी के कारण 6 दिसम्बर 1956 को दिल्ली में उनका निधन हो गया। इनके पिता का नाम सूबेदार रामजी मालोजी सकपाल थे। उनकी माता का नाम भीमाबाई था। जब वह केवल छह वर्ष के थे तब उनकी माता का निधन हो गया था।

प्रारंभिक बिन्दुः डॉ. अम्बेडकर साहब का जन्म एक दलित (अछूत) परिवार में हुआ था और उन्हें अपने जीवन में जातिवाद भेदभाव का सामना करना पड़ा। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मुम्बई के एल्फिस्टन हाई स्कूल में प्राप्त की। उन्होंने 32 डिग्रियां प्राप्त की।

सामाजिक सुधार : डॉ. अम्बेडकर साहब ने दलितों और अन्य सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गो के अधिकारों के लिए एक महान संघर्ष किया, उन्होंने जाति व्यवस्था और अस्पृश्यता के खिलाफ लड़ाई लड़ी। और दलितों के लिये शिक्षा, सामाजिक समानता और राजनैतिक प्रतिनिधित्व की वकालत की। उन्होंने 1872 में ''बहिष्कृत हितकारिणी सभा'' की स्थापना की, जिसका उद्‌देश्य दलितों की शिक्षा और कल्याण को बढ़ावा देना था। 1930 में उन्होंने ''महाड सत्याग्रह'' का नेतृत्व किया। जिसका उद्‌देश्य सार्वजानिक जल स्रोतों तक दलितों की पहुंच सुनिश्चित करना था। उन्होंने हिन्दू मंदिरों में प्रवेश के अधिकार के लिये भी संघर्ष किया।

राजनीतिक करियरः डॉ. अम्बेडकर साहब भारतीय संविधान के प्रमुख वास्तुकार थे और 1947 में स्वतंत्रता के बाद उन्हे भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने 1950 में भारत के संविधान को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने भारतीय संविधान में दलितों और अन्य पिछड़े वर्गो के लिये विशेष सुरक्षा और आरक्षण का प्रावधान किया।

धर्मिक परिवर्तनः 1956 में डॉ. अम्बेडकर साहब ने बौद्ध धर्म ग्रहण किया और उन्होने दलितों को बौद्ध धर्म अपनाने के लिये प्रोत्साहित किया, ताकि वह जाति व्यवस्था से मुक्ति पा सके।

विरासतः डॉ. अम्बेडकर साहब को भारत में सामाजिक न्याय और समानता के प्रतीक के रूप में व्यापक रूप से माना जाता है। उन्हें ''भारतीय संविधान'' के जनक के रूप में जाना जाता है। उनके विचारों और कार्यो ने भारत के सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य को बदल दिया। उनके जन्म 14 अप्रैल को अम्बेडकर जयन्ती के रूप में मनाया जाता है।

शीला
टेक.एस.के.
आई.पी.मेट

❋ पर्यावरण संरक्षण ❋

पर्यावरण संरक्षण का अर्थ है। प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करना, प्रदूषण को रोकना और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखना शमिल है। यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है। जिससे व्यक्तियों समूहों और सरकारों द्वारा प्रयास किये जाते है। यहाँ तक कि पृथ्वी को प्रकाश ऊर्जा देने वाले सूर्य देव व सम्पूर्ण ब्रहमाण्ड के आकाशदीप पिंड भी पर्यावरणमें आते है। ये सभी तत्व हमारे जीवन अस्तित्व व विकास के लिये अनिवार्य है। पिछले कुछ वर्षो से मानव ने अपनी भोगपूर्ण लालसा की तृप्ति हेतु ईश्वरीय व्यवस्था से खिलवाड किया है। इसका परिणाम यह हुआ कि आज संवेदनशील पर्यायवरणीय संतुलन के पूर्णरूप से नष्ट व दूषित हो जाने की विश्वव्यापी समस्या उत्पन्न हो गई है। भारतीय संस्कृति में पर्यावरण को विशेष महत्व दिया गया है। प्राचीन काल से ही पर्यावरण के विभिन्न स्वरूपों जैसे वृक्ष, नदियां, पर्वत, सागर आदि को देव तुल्य माना गया है। आज हमारे देश में कई जगहों पर जंगल काटे जा रहे है। जब कि हमारी सरकार ने पेड़ों को काटने पर रोक लगा दी है। जबकि पर्यावरण का सबसे बड़ा कारण पेड़ो की कटाई ही है। हमें अधिक से अधिक संख्या में पेड़ लगाना चाहिये। आज कल सभी जगह पॉलीथीन का प्रयोग किया जा रहा है जो बहुत खतरनाक है हमे इसे रोकने का प्रयास करना चाहिये और अपने पर्यावरण को बचाना चाहिये।

पर्यावरण संरक्षण के उपाय: वृक्षारोपण करने तथा अधिक से अधिक पेड़ लगाने से पर्यावरण को शुद्ध रखने में सहायता मिलती है।

वायु प्रदूषण : वायु प्रदूषण से हमारे कानों को नुकसान पहुंचता है हमारे सुनने की क्षमता क्षीण होने लगती है। इसे रोकने के लिये हमें अपने वाहनों की समय-समय पर जांच करवानी चाहिये और शादी-ब्याह एवं त्यौहारों के अवसर पर स्पीकर को धीमी आवाज में बजाना चाहिये। वाहनों से जो धुआं निकलता है वह बहुत खतरनाक होता है। जब हम सांस लेते हैं तब वह धुंआ हमारे फेफड़ों में चला जाता है और हमें बीमार कर देता है।

जल प्रदूषणः जल प्रदूषण से हमे हैजा, मलेरिया आदि बहुत सी बीमारियां हो सकती हैं इसलिये हमे अपने आसपास के नदी, तालाबों, पानी के टैंको को भी साफ-सुथरा रखना चाहिये। हमें पीने के पानी को हमेशा ढककर रखना चाहिये। हमें पानी, ऊर्जा और अन्य प्राकृतिक संसाधनों का बुद्धिमानी से उपयोग करना चाहिये। हमे जैविक खेती के लिये अपने भारतीय किसानों को प्रोत्साहित करना चाहिये, हमें कूड़े कचरे को हमेशा कूडेदान में ढककर रखना चाहिये ताकि हम हर तरह की बीमारी से दूर रहें। समय-समय पर नालियों को साफ कराते रहना चाहिये।

कठोर कानूनः हमें पर्यायवरण को नुकसान पहुचाने वालो के खिलाफ सख्त कानून और दंड का प्रावधान करना चाहिये ताकि वे कभी पर्यावरण को नुकसान न पहुंचा सके।

शीला
टेक.एस.के.
आई.पी.मेट

जिंदगी

छोटी सी हैं जिंदगी है हर बात में खुश रहो,
जो चेहरा पास ना हो उसकी आवाज़ में खुश रहो।
कोई रूठा हो तुमसे, उसके इस अंदाज में खुश रहो,
जो लौट के नहीं आने वाले उन लम्हों,
की याद में खुश रहो ....
कल किसने देखा है, अपने
आज में खुश रहो,
खुशियों का इंतजार किस लिए,
दूसरों की मुस्कान में खुश रहो .....
क्यों तडपते हो हर पल किसी के साथ को,
कभी तो अपने आप में खुश रहो,
छोटी सी तो जिन्दगी है,
हर हाल में खुश रहो।

कीर्ति शर्मा
सामान्य अनुभाग

श्रेष्ठ मासिक कर्मचारी का नाम

1	अप्रैल 2024	1. श्री महेश सिंह आनन्द, जे.टी.ओ.;एसद्ध 2. श्री अनिल कुमार, एम.सी.एम.
2	मई 2024	1. श्री अजय कुमार शुक्ला तक ;एस.के.द्ध
3	जून 2024	1. श्री विकाश कुमार, सहायक अभियंता ;गु.आ.द्ध
4	जुलाई 2024	1. श्री मनोज कुमार, एम.सी.एम.
5	अगस्त 2024	1. श्री आशुमेन्द्र कुशवाह, तक ;एस.के.द्ध
6	सितम्बर 2024	1. श्री राहुल पाल, प्रवर श्रेणी लिपिक
7	अक्टूबर 2024	1. श्री अरूण कुमार, प्रवर श्रेणी लिपिक 2. श्री अवधेश कुमार पाल, तक ;एस.के.द्ध
8	नवम्बर 2024	1. श्री महेन्द्र प्रताप सिंह, कनि. अभि. ;गु.आ.द्ध 2. श्री ओमप्रकाश, तक ;एच.एस.-1द्ध 3. सिपाही श्री शक्ति पद्म मिश्रा, 108 ए डी.एस.सी.
9	दिसम्बर 2024	1. श्री अशोक कुमार यादव, प्रवर श्रेणी लिपिक 2. श्री बसन्त लाल पाल, एल.एफ. 3. नायक अनिल कुमार, 108 ए डी.एस.सी.
10	जनवरी 2025	1. श्री पदम् कुमार, एम.सी.एम. 2. श्री कुन्दन कुमार, तक ;एस.के.द्ध
11	फरवरी 2025	1. नायक संजय कुमार, 108 ए डी.एस.सी. 2. श्री प्रदीप कुमार, तक ;एस.के.द्ध
12	मार्च 2025	1. श्री पदम कुमार, एम.सी.एम. 2. श्री शशिकांत वर्मा, तक ;एस.के.द्ध

हिन्दी पखवाडा कार्यक्रम 2024 की विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं के नाम

हिन्दी टंकण प्रतियोगिता

क्र.सं.	प्रतिभागियों के नाम एवं पद	स्थान
1	श्री राहुल पाल, प्रवर श्रेणी लिपिक	प्रथम
2	श्री अरूण कुमार, प्रवर श्रेणी लिपिक	द्वितीय
3	श्री अवधेश कुमार पाल, ;कुशलद्ध तक	तृतीय

हिन्दी निबन्ध लेखन प्रतियोगिता

क्र.सं.	प्रतिभागियों के नाम एवं पद	स्थान
1	श्री विकाश कुमार, सहा. अभि.	प्रथम
2	श्री रविकांत पटेल, सहा. अभि.	द्वितीय
3	श्री अवधेश कुमार, ;कुशलद्ध तक	तृतीय

सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग एवं हिन्दी अनुवाद राजभाषा प्रतियोगिता

क्र.सं.	प्रतिभागियों के नाम एवं पद	स्थान
1	श्री विकाश कुमार, सहा. अभि.	प्रथम
2	श्री अजीत कुमार, ;कुशलद्ध तक	द्वितीय
3	श्री अमन कुमार, कनि. अभि.	तृतीय

काव्य (अन्यरचित/स्वरचित) पाठ

क्र.सं.	प्रतिभागियों के नाम एवं पद	स्थान
1	श्री विकाश कुमार, सहा. अभि.	प्रथम
2	श्री रविकांत पटेल, अभि. सहा.	द्वितीय
3	श्री शशीकांत वर्मा, ;कुशलद्ध तक	तृतीय

भर्ती एवम् तैनाती अधिकारियों तथा कर्मचारियों की सूची
(अवधि अप्रैल 2024 से मार्च 2025)

क्र.सं.	नाम	पद	दिनांक	अभियुक्ति
1.	श्री सुभाष विश्वकर्मा	सहायक अभियन्ता (गु.आ.)	05.06.2024	तैनाती
2.	श्री सुजॉय दत्ता	कनिष्ठ अभियन्ता (गु.आ.)	14.06.2024	तैनाती
3.	श्री अभिजीत यादव	सहायक अभियन्ता (गु.आ.)	24.06.2024	तैनाती
4.	श्री रविकान्त पटेल	सहायक अभियन्ता (गु.आ.)	26.06.2024	तैनाती
5.	श्री राजेश कुमार शुक्ला	सहायक अभियन्ता (गु.आ.)	29.06.2024	तैनाती
6.	श्री आलोक खाखा	सहायक अभियन्ता (गु.आ.)	19.07.2024	तैनाती
7.	ले. कर्नल सी.एम. सिंह	गुणवत्ता आश्वासन अधिकारी	01.10.2024	तैनाती
8.	ले. कर्नल राकेश कुमार आर्या	गुणवत्ता आश्वासन अधिकारी	11.11.2024	तैनाती

हिन्दी पखवाडा कार्यक्रम 2024 की विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं के नाम

वाक् प्रतियोगिता

क्र.सं.	प्रतिभागियों के नाम एवं पद	स्थान
1	श्री आशीष त्रिवेदी, का. अधी	प्रथम
2	श्री रविकांत पटेल, सहा. अभि.	द्वितीय
3	श्री शैलेन्द्र सिंह, सहा. अभि.	तृतीय

स्थानान्तरण एवम् सेवानिवृत्त अधिकारियों तथा कर्मचारियों की सूची

क्र.सं.	नाम	पद	दिनांक	अभियुक्ति	अभियुक्ति
1.	श्री पूरन चन्द्र गुप्ता	एम.सी.एम./10508	30.04.2024	सेवानिवृत्त	-
2.	नायक सूर्यावामंशी राजेश्वर	ड्राइवर (एम.टी.)	02.06.2024	देहान्त	-
3.	श्री जगदीश नारायन	कुक	30.06.2024	सेवानिवृत्त	-
4.	श्री हिमाँशू अग्रवाल	कनिष्ठ अभियन्ता (गु.आ.)	31.07.2024	त्यागपत्र	-
5.	श्री कर्मवीर सिंह यादव	वरिष्ठ भण्डार अधीक्षक	23.08.2024	पदोन्नति स्थानान्तरण	गु.आ.नि.(एम.) कानपुर कैण्ट
6.	श्री राजू	तक.(एस.एस.-1)/10528	29.08.2024	देहान्त	-
7.	सिपाही करमजीत सिंह	ड्राइवर (एम.टी.)	05.10.2024	स्थानान्तरण	61 आर.आर. बटालियन (जाट), मार्फत 56 एपीओ
8.	श्रीमती वीना चडढा	कार्यालय अधीक्षक	31.10.2024	सेवानिवृत्त	-
9.	श्री राम कुमार	फायर इंजन ड्राइवर-प्रथम	31.10.2024	सेवानिवृत्त	-
10.	श्री शिशुपाल कुमार	कनिष्ठ अभियन्ता (गु.आ.)	28.11.2024	पदोन्नति स्थानान्तरण	वरि.गु.आ.स्था.(आ.) त्रिची
11.	श्रीमती पूनम बाजपेई	कार्यालय अधीक्षक	30.11.2024	सेवानिवृत्त	-
12.	श्री ओम प्रकाश	तक. (एच.एस.-1)/10542	30.11.2024	सेवानिवृत्त	-
13.	श्री अतुल कुमार मिश्रा	सहायक अभि. (गु.आ.)	31.12.2024	सेवानिवृत्त	-
14.	श्री पवन कुमार	कनिष्ठ अभि. (गु.आ.)	31.12.2024	पदोन्नति स्थानान्तरण	वरि.गु.आ.स्था.(आ.) किरकी, पुर्णे
15.	श्री डी. कार्तिकेयन	वरिष्ठ वैज्ञानिक अधि.-1	18.03.2025	पदोन्नति स्थानान्तरण	गु.आ.नि.(एच.वी.) आवडी
16.	श्री निरंजन सिंह	सहायक अभि. ;गु.आ.ख्र	31.03.2025	सेवानिवृत्त	-
17.	श्री कृष्ण कुमार गुप्ता	एम.सी.एम./10541	31.03.2025	सेवानिवृत्त	-

श्रद्धांजलि

* विगत वर्ष के दिवगंत सहयोगी *

स्व. सूर्यावामंशी राजेश्वर

27.08.1993 से 02.06.2024

पद - नायक (डी.वी.आर.एम.टी.)

स्व. राजू

03.08.1966 से 28.08.2024

पद - तक. एच.एस.-1

SQAE (ARMTS)
टीम–वरिष्ठ गुणता आश्वासन स्थापना (आयुध) कानपुर
2025

वरिष्ठ गुणता आश्वासन स्थापना (आयुध) कानपुर

आत्मनिर्भर भारत

गुणता - संदेश

हमारी सशस्त्र सेनाओं को विश्व प्रतिस्पर्धा युक्त शस्त्रों की पूर्ति में पूर्ण गुणता लाना हमारे गुणता परिवार का प्रमुख दायित्व है। इस दायित्व की पूर्ति के लिए हमें निम्नलिखित के लिए विशेष रूप से सजग एवं क्रियाशील रहना है ।

1. सतत् निरीक्षण एवं उचित मूल्याँकन का विकास ।
2. गुणता का स्तर बढ़ाने के लिए तकनीकी ज्ञान का विकास ।
3. गुणता प्रबन्धन की धारणा को कार्यरूप में परिणित करना ।
4. आई. एस. ओ. – 9001 :2015 के समकक्ष गुणता स्थापित करना ।

इस क्षमताओं को प्राप्त कर सैनिक उपकरणों की सर्वोत्कृष्ट गुणता को सुनिश्चित करना ही इस स्थापना का मुख्य उद्देश्य है।

– वरिष्ठ गुणता आश्वासन अधिकारी

पत्रिका के इस अंक एवं अन्य अंकों को ऑनलाइन प्राप्त के लिए वेब पेज

https://epatrika.rajbhasha.gov.in/epatrika_lst.php#noback

पर जाये या QR कोड स्कैन करके कार्यालय कोड ofup5554 डाले अथवा कसौटी लिखें